हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 57 | प्रयागराज, रविवार 28 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

भाजपा मगरमच्छ की तरह है, अपने साथ वालों को ही निगल लेती है, संजय राउत ने मोदी सरकार पर तंज

मुंबई। सांसद गजानन कीर्तिकर द्वारा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में उनकी पार्टी के साथ सौतेला व्यवहार किए जाने की शिकायत के एक दिन बाद शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि भाजपा मगरमच्छ या अजगर की तरह है, जो कोई भी उसके साथ होता है उसे वह ''निगल लेती है। पत्रकारों से बातचीत में राउत ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद तत्कालीन अविभाजित शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राहें जुदा होने का हवाला देते हुए कहा कि यही कारण था कि उनकी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 2019 में भाजपा से दूरी बना ली। राउत ने कहा, ''शिवसेना ने खुद को भाजपा से दूर कर लिया क्योंकि पार्टी इसे खत्म करने की कोशिश कर रही थी। भाजपा मगरमच्छ या अजगर की तरह है। जो भी उनके साथ जाता है, वे निगल जाते हैं। अब वे (शिवसेना सांसद और विधायक, जिन्होंने नेतृत्व के खिलाफ बगावत की थी) महसूस करेंगे कि इस मगरमच्छ से दूरी बनाने के लिए उद्धव ठाकरे का रुख सही था। उन्होंने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में काफी बेचौनी है। राउत ने कहा, ''गजानन कीर्तिकर ने जो बात कही है वही शिवसेना (यूबीटी) का भी रुख है। वे (भाजपा) अपनी बात पर कायम नहीं रहे, उन्होंने शिवसेना के विधायकों को फंड नहीं दिया और शिवसेना नेताओं का अपमान करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा, ''इसी कारण से महाराष्ट्र और पार्टी के सम्मान के लिए उद्धव ठाकरे ने फैसला लिया। शिवसेना सांसद कीर्तिकर ने शुक्रवार को कहा था, ''हम राजग का हिस्सा हैंकृइसलिए हमारा काम उसी के अनुसार होना चाहिए और (राजग) घटकों को (उपयुक्त) दर्जा मिलना चाहिए। हमें लगता है कि हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ हाथ मिलाने के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना 2019 में राजग से बाहर हो गई थी। तीनों दलों ने महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार का गठन किया था। पिछले साल शिवसेना में फूट के बाद शिंदे ने भाजपा से हाथ मिला लिया था और मुख्यमंत्री बने।

आंधी व बारिश ने दिल्ली को किया पंगु, फ्लाइट डायवर्जन व ट्रेन लेट

नई दिल्ली। दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह तेज आंधी आई और भारी बारिश हुई। इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) काले बादलों की घनी चादर में लिपट गया। जैसे–जैसे तूफानी मौसम ने जोर पकड़ा, कई क्षेत्रों में बिजली चली गई। खराब मौसम को देखते हुए अधिकारियों ने दिल्ली आने वाली छह उड़ानों को जयपुर के लिए डायवर्ट कर दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस बीच, राष्ट्रीय राजधानी की ओर जाने वाली ट्रेनों को देरी का सामना करना पड़ा, पूर्वा एक्सप्रेस तीन घंटे से अधिक समय से पीछे चल रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक ट्वीट में कहा, पूर्वोत्तर राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम यूपी और दक्षिण उत्तराखंड में बारिश,गरज, बिजली,तेज हवाएं जारी रहने की संभावना है। दिल्ली हवाई अड्डे के ट्विटर हैंडल पर पोस्ट किया गया, खराब मौसम के कारण, दिल्ली हवाईअड्डे पर उड़ान संचालन प्रभावित हुआ है।बारिश के परिणामस्वरूप, दिल्ली के कई इलाकों में भारी जलभराव हुआ है।

पक्षी को बचाने के चक्कर में गूगल से ढूंढा एनिमल रेस्क्यू संगठन, खाते से उड़ गए 1 लाख

नई दिल्ली । क्या हो अगर आप किसी की मदद के लिए कोई काम करें और वही काम आपके लिए मुसीबत बन जाए। ऐसा ही कुछ हुआ मुंबई की एक 30 वर्षीय महिला के साथ जिन्होंने एक घायल पक्षी को बचाने के प्रयास में करीब 1 लाख रुपये गंवा दिए। ऐसा पक्षी के इलाज के दौरान नहीं हुआ बल्कि पीड़िता साइबर फ्रॉड का शिकार हो गईं। साइबर फ्रॉड का यह मामला ध्वनि मेहता नामक 30 वर्षीय महिला के साथ हुआ है।

यह घटना 17 मई की है। ध्वनि एक अतंरराष्ट्रीय फिल्म स्टूडियो की कर्मचारी हैं। सुबह वह अपने काम पर जा रही थीं तभी उन्होंने एक पक्षी को घायल देखा।

उन्होंने उसकी मदद करनी चाही और गूगल पर एनिमल रेस्क्यू संगठन सर्च किया। उन्होंने एक ·दपउंसतमेबनमजमंउ.बवउ नाम से एक वेबसाइट मिली। यहां से उन्हें एक नंबर मिला और उन्होंने उस पर कॉल किया। सामने से ध्वनि को बताया गया कि मदद उनके पास जल्द ही पहुंच जाएगी। इससे पहले उन्हें एक फॉर्म भरना होगा। उनसे कहा गया कि फॉर्म भरने के बाद रजिस्ट्रेशन के लिए 1 रुपये की पेमेंट करनी होगी। ध्वनि ने ऐसा ही किया। उनसे फिर कहा गया कि बस टीम आपके पास पहुंचती ही होगी। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं हुआ। पूरे दिन वहां कोई नहीं आया। ध्वनि शाम को जब ऑफिस से काम कर के वापस घर के लिए निकली तो उन्हें फोन पर मैसेज मिला कि उनके अकाउंट से 99,988 रुपये कट चुके हैं। ध्वनि के साथ जो हुआ उस पर उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। ध्वनि ने इस मामले में एक एफआईआर दर्ज कर दी है। पुलिस के अनुसार, उन्होंने अनजाने में अपना यूपीआई पिन ठगों को सौंप दिया था। उन्होंने फॉर्म भरने के दौरान ही यह गलती की थी। इस मामल में अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की घारा 419, 420 और 465 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। साथ ही आईटी एक्ट के प्रावधानों के तहत भी मामला दर्ज हुआ है।

नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्रियों का नहीं आना दुर्भाग्यपूर्ण और गैर जिम्मेदाराना है : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने विपक्षी मुख्यमंत्रियों के नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं होने की आलोचना करते हुए इन मुख्यमंत्रियों के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण और गैर जिम्मेदाराना बताया है।

भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, तेलंगाना , बिहार, दिल्ली , पंजाब और राजस्थान के मुख्यमंत्री सहित आठ मुख्यमंत्री नीति आयोग की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल नहीं होकर अपने ही प्रदेश की जनता का अहित क्यों कर रहे हैं? यह सब बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है और गैर जिम्मेदाराना है।हालांकि राजस्थान के सीएम गहलोत के नहीं आने को लेकर उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें यह बताया गया कि अशोक गहलोत स्वास्थ्य कारणों से नहीं आये हैं हालांकि सच तो वही बताएंगे। प्रसाद ने कहा कि नीति आयोग देश के विकास और योजनाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस बैठक के लिए 100 मुद्दे तय किए गए हैं, अब जो मुख्यमंत्री नहीं आए हैं वो अपने प्रदेश की जनता की आवाज यहां तक नहीं ला रहे हैं।उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी के विरोध में आखिर ये दल कहां तक जाएंगे ? उन्होंने आगे कहा कि गवर्निंग काउन्सिल में महत्वपूर्ण चर्चा होती है, महत्वपूर्ण फैसले होते हैं और उसके बाद ये फैसले जमीन पर लागू होते हैं। लेकिन बावजूद इसके भी ये मुख्यमंत्री क्यों नहीं आ रहे? आखिर ये मुख्यमंत्री अपने प्रदेश की जनता का अहित क्यों कर रहे हैं? प्रसाद ने कहा कि ये विपक्षी दल भाजपा सरकार पर यह आरोप लगाते हैं कि हमारी सरकार संस्थाओं का सम्मान नहीं करती है जबकि वास्तविकता यह है कि इनमें से कई दल पहले कैग, चुनाव आयोग, चुनावी प्रक्रिया यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट तक पर सवाल उठा चुके हैं, खुलेआम आलोचना कर चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला से लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी का सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने शनिवार को लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के एक आतंकवादी के सहयोगी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि उत्तरी कश्मीर जिले के चंदूसा इलाके के नागबल गांव में आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने श्रंज नागबल क्रॉसिंग में एक चलित वाहन जांच चौकी (एमवीसीपी) स्थापित की। उन्होंने बताया कि श्रंज से नागबल की ओर आ रहे एक व्यक्ति ने सुरक्षा बलों को देखकर भागने की कोशिश की, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। प्रवक्ता ने बताया कि पकड़े गए शख्स के पास से एक ग्रेनेड बरामद किया गया और उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान लारीडूरा चंदूसा निवासी मोहम्मद अशरफ मीर के रूप में हुई है, जो लश्कर के एक आतंकवादी के सहयोगी के रूप में काम कर रहा था।

अध्यादेश के मुद्दे पर आप को समर्थन देने पर विचार के लिए खड़गे ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 29 मई को पार्टी नेताओं की एक बैठक बुलाई है, इसमें इस बात पर चर्चा की जाएगी कि क्या अध्यादेश के मुद्दे पर पार्टी को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का समर्थन करने की जरूरत है? पार्टी सूत्रों के मुताबिक, खड़गे ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए 29 मई को सुबह 10.30 बजे पार्टी नेताओं की बैठक बुलाई है। यह बैठक केजरीवाल के अनुरोध के मद्देनजर बुलाई गई है, जिन्होंने अध्यादेश के मुद्दे पर खड़गे और पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी से समर्थन का आग्रह किया है।

केजरीवाल ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा, भाजपा सरकार द्वारा जारी अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक अध्यादेश के खिलाफ संसद में कांग्रेस का समर्थन लेने और संघीय ढांचे पर सामान्य हमले पर चर्चा करने के लिए आज सुबह कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी और राहुल गांधी जी से मिलने का समय मांगा। आप नेता के अनुरोध के बाद कांग्रेस सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी अभी भी उनके अनुरोध पर विचार कर रही है। सोमवार रात कांग्रेस महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल ने कहा, श्कांग्रेस पार्टी ने अधिकारियों की नियुक्ति के संबंध में दिल्ली सरकार की शक्तियों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ लाए गए अध्यादेश के मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया है। पार्टी अपनी राज्य इकाइयों और अन्य समान विचारधारा वाले दलों से परामर्श करेगी। पार्टी कानून के शासन में विश्वास करती है और साथ ही अनावश्यक टकराव, राजनीतिक विच–हंट और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ किसी भी तरह के झूठ पर आधारित अभियानों को नजरअंदाज नहीं करती है। दिल्ली और पंजाब के कई कांग्रेस नेताओं ने इस मुद्दे पर केजरीवाल का समर्थन करने का विरोध किया है। अजय माकन, संदीप दीक्षित और सुखजिंदर सिंह रंधावा जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने पहले ही कहा है कि पार्टी को आप का समर्थन नहीं करना चाहिए। केजरीवाल पहले ही 21 मई को बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल (यू) के नेता नीतीश कुमार के साथ उनके डिप्टी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव से मिल चुके हैं। दोनों नेताओं ने अध्यादेश के मुद्दे पर आप को समर्थन देने की घोषणा की है। मंगलवार को, केजरीवाल ने अपने समकक्ष और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी से मिलने और उनसे समर्थन मांगने के लिए पश्चिम बंगाल की यात्रा की। बनर्जी ने आप नेता को समर्थन देने की भी घोषणा की। आप नेताओं ने महाराष्ट्र की यात्रा भी की और पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे और एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने केजरीवाल की पार्टी को अपना समर्थन भी दिया है। केजरीवाल शनिवार को भारत राष्ट्र समिति के नेता और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से इस मुद्दे पर समर्थन मांगने के लिए हैदराबाद जाएंगे। केजरीवाल ने पिछले हफ्ते विपक्षी दलों से आग्रह किया था कि वे दिल्ली की जनता के लिए अध्यादेश पर विधेयक को राज्यसभा में पारित नहीं होने दें। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण के रूप में जाना जाने वाला एक स्थायी प्राधिकरण स्थापित करने के लिए एक अध्यादेश लाया है। इसके अध्यक्ष दिल्ली के मुख्यमंत्री होंगे, जो दिल्ली के मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव (गृह), दिल्ली के साथ स्थानांतरण पोस्टिंग, सतर्कता और अन्य प्रासंगिक मामलों से संबंधित मामलों के संबंध में दिल्ली के एलजी से सिफारिश करेंगे। हालांकि, राय के अंतर के मामले में, एलजी का निर्णय अंतिम होगा।

नए संसद भवन की कोई जरूरत नही’, उद्घाटन से पहले नीतीश कुमार का भाजपा पर हमला

पटना। नए संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार करने के विपक्ष के आह्वान के बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि नए संसद भवन की ''कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा कि नया संसद भवन उन लोगों द्वारा इतिहास लिखने की कोशिश है जिनका स्वतंत्रता संघर्ष में कोई योगदान नहीं था। कुमार ने इस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को आमंत्रित नहीं किए जाने पर भी निराशा जताई। कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) ने घोषणा की है कि वह रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार करेगी। पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन के विरोध में उस दिन यहां एक दिन का अनशन करेगी। मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, ''नए संसद भवन की कोई जरूरत नहीं है।कृदेश के स्वतंत्रता संघर्ष में जिन लोगों का कोई योगदान नहीं था वे इतिहास को

तोड़ने–मरोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह काफी हैरान करने वाला है कि भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को उद्घाटन समारोह में आमंत्रित नहीं किया गया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शनिवार को यहां पत्रकारों से कहा, ''जद(यू) का दृढ़ विश्वास के साथ यह मानना है कि राष्ट्रपति देश की संसदीय प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर हैं और नरेन्द्र मोदी सरकार को नये संसद भवन के उद्घाटन के लिए उन्हें आमंत्रित करना चाहिए था। दिल्ली में शनिवार को नीति आयोग की बैठक में शामिल ना होने के अपने फैसले के बारे में नीतीश कुमार ने कहा, ''बैठक सुबह थी और उस समय मेरे पटना में अन्य कार्यक्रम थे इसलिए मैं दिल्ली नहीं जा सका। अगर बैठक दोपहर में होती तो मैं इसमें शामिल होता। मैंने मंत्रियों और अधिकारियों की एक सूची भेजी थी जो बैठक में भाग ले सकते थे, लेकिन केंद्र से कोई जवाब नहीं मिला। इसलिए बिहार से कोई प्रतिनिधि आज की बैठक में भाग नहीं ले रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के 2,000 रुपये के नोटों को चलन से बाहर करने पर कुमार ने कहा, ''पहले 1,000 रुपये के नोट वापस लिए गए और अब 2,000 रुपये केकृमैं उनके इरादे नहीं समझ पाया हूं। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता पर चर्चा करने के लिए यहां गैर–भाजपा दलों की बैठक की संभावना से जुड़े एक सवाल पर उन्होंने कहा, ''हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे।

अध्यादेश को नाकाम करने के लिए लोकसभा-राज्यसभा में अपनी पूरी ताकत लगा देंगे, केजरीवाल से मुलाकात के बाद बोले केसीआर

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में सेवाओं के नियंत्रण पर केंद्र द्वारा जारी अध्यादेश को तुरंत वापस लेने की मांग की, क्योंकि दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने इस मुद्दे पर उनसे मुलाकात की। राव ने अपने केजरीवाल और मान के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह मांग की। आप के दोनों नेताओं ने यहां केसीआर से मुलाकात कर केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ केजरीवाल की लड़ाई पर समर्थन मांगा। हम प्रधानमंत्री से मांग करते हैं कि वह खुद अध्यादेश वापस लें नहीं तो हम सभी केजरीवाल जी का समर्थन करेंगे। हम उनके साथ खड़े रहेंगे। हम अध्यादेश को हराने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। अनावश्यक रूप से इसे मुद्दा न बनाएं सरकार को काम करने दीजिए। मोदी

सरकार ने अध्यादेश लाकर दिल्ली की जनता का अपमान किया है। राव को संबोधित करते हुए केसीआर ने कहा, ष्मैं बिना किसी संदेह के कह सकता हूं कि यह दिल्ली राज्य के लोगों का अपमान है। केंद्र ने हाल ही में दिल्ली में ग्रुप–ए के अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग के लिए एक प्राधिकरण बनाने के लिए एक अध्यादेश जारी किया था, जिसे आप सरकार ने सेवाओं के नियंत्रण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ धोखा बताया था। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि को छोड़कर दिल्ली में सेवाओं का नियंत्रण निर्वाचित सरकार को सौंपे जाने के एक सप्ताह बाद आया अध्यादेश समूह– के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही और स्थानांतरण के लिए एक राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण स्थापित करना चाहता है दानिक्स कैडर के एक अधिकारी। केसीआर ने मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राज्य सरकारों को परेशान करनेष का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब आपातकाल लगाया गया था और अब की स्थिति में कोई अंतर नहीं है।

सम्पादकीय

दूध के दंश

हाल के महीनों में कई बार दूध की कीमतों में वशद्धि जहां आम आदमी का बजट बढ़ाने वाली साबित हुई है, वहीं देश के खाद्य पदार्थों के भाव में वशद्धि से सरकार के महंगाई कम करने के प्रयास भी बाधित हुए हैं। यह विडंबना ही है कि दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश भारत अपने नागरिकों की दूध की मांग पूरी करने में मुश्किल महसूस कर रहा है। कोरोना काल में दूध आपूर्ति बाधित होने से उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ा। वहीं सरकारी आंकड़ों के अनुसार लंपी के चलते दो लाख से अधिक गौधन की क्षति हुई। स्वतंत्र पर्यवेक्षक इसकी संख्या कहीं ज्यादा बताते हैं। बहरहाल, इन आपदाओं से हुई क्षति की वजह से दूधा उत्पादन में गिरावट आना स्वाभाविक था। जिसके चलते दूध उत्पादों के आयात के कयास लगाये जा रहे हैं। हालांकि, यदि बाहर से सस्ता दूध आता है तो कीमत युद्ध से देश के दुग्ध उत्पादकों का संरक्षण करना भी एक चुनौती होगा। उल्लेखनीय है कि दुनिया का चौबीस फीसदी दूधा उत्पादन भारत में होता है। बीते साल 22 करोड़ टन से अधिक दूध उत्पादन के आंकड़े हैं। लेकिन उसी अनुपात में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में दूध की मांग में भी तेजी से वशद्धि हो रही है। यह वशद्धि आठ से दस फीसदी बतायी जा रही है। कोरोना काल व बाद में लंपी के चलते दूध उत्पादन में जो गिरावट आई है, उससे इस साल कुल उत्पादन में गिरावट या स्थिर रहने के आसार हैं। तभी डेयरी उत्पाद मसलन मक्खन व घी के आयात की बात कही जा रही है। वहीं इस परिस्थितिजन्य संकट के अलावा राजनीतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिये दूधा के मुद्दे पर भी अब खूब सियासत होने लगी है। कर्नाटक चुनाव से पहले दो दुग्ध उत्पादक ब्रांड्स को लेकर जमकर राजनीति हुई। अब यह मुद्दा तमिलनाडु में जा पहुंचा है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने केंद्रीय गशहमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि आविन के मिल्क शेड क्षेत्र में अमूल की दूध खरीद पर रोक लगायी जाये। उल्लेखनीय है कर्नाटक चुनाव में अमूल की एंट्री को लेकर जमकर राजनीति हुई थी। कांग्रेस व जेडीएस ने यहां तक आरोप लगाया था कि गुजरात से आने वाला अमूल लोकल ब्रांड नंदिनी को खत्म करने की साजिश कर रहा है। यहां तक कि एक होटल संगठन ने बाकायदा अमूल उत्पादों के बहिष्कार की घोषणा की। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन अपने ब्रांड अमूल के व्यवस्थित कारोबार के लिये जाना जाता है। जिसके चलते सहकारी दुग्ध उत्पादकों के जीवन में खासा सकारात्मक बदलाव भी आया है। वहीं ब्रांड चुनने की उपभोक्ता को आजादी है और इसके लिये बेहतर प्रबंधन भी एक शर्त है। एक पहलू यह भी है कि देश में पशुओं के चारे के दाम में खासी तेजी आई है और दुग्ध उत्पादकों का मुनाफा कम हुआ है। जिसके चलते हरियाणा समेत कई राज्यों में पशुपालक इस व्यवसाय से अपना हाथ खींच रहे हैं। यही वजह है कि मांग व आपूर्ति में असंतुलन से इसकी कीमतों में उछाल आ रहा है। कोरोना व लंपी के बाद जहां उत्पादन गिरा, वहीं मांग तेजी से बढ़ी है। हालांकि, विदेशों से दूध का आयात लाभकारी नहीं हो सकता है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतें मजबूत बनी हुई हैं। बेहतर होगा कि सरकार भी सहकारी क्षेत्र के दूध उत्पादन के आंकड़ों के साथ ही निजी व असंगठित क्षेत्र के उत्पादन का भी मूल्यांकन करे, ताकि देश की जरूरतों का न्यायसंगत मूल्यांकन हो सके। वहीं दूसरी ओर सरकार को चारे की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि का भी नियमन करके दूध उत्पादकों को राहत देने प्रयास करना चाहिए। कोशिश हो कि चारे की फसल के रकबे में भी वृद्धि की जाये। साथ ही डेयरी क्षेत्र के सालाना उत्पादन व मांग में संतुलन स्थापित करने के भी गंभीर प्रयास हों। यदि दुग्ध उत्पादक किसानों की दशा सुधरेगी तो उत्पादन में सुधार निश्चित रूप से महसूस किया जायेगा। सरकार को ध्यान रहे कि देश की एक बड़ी शाकाहारी आबादी के स्वास्थ्य के लिये दूध कैल्शियम, विटामिन और प्रोटीन का एक प्रमुख स्रोत भी है।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार का सुझाव, भारत विश्व गुरू बनने की राह पर

हिरोशिमा (जापान) में जी–7 के सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने आश्चर्य जताया कि जब शांति और स्थिरता से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए बना संयुक्त राष्ट्र अस्तित्व में है, तो इन पर चर्चा के लिए अलग–अलग मंचों की जरूरत क्यों पड़ती है? इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए। यह जरूरी है कि संयुक्त राष्ट्र में सुधारों को लागू किया जाए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद की परिभाषा को लेकर भी सवाल उठाये। उन्होंने कहा, क्यों संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद की परिभाषा तक को स्वीकार नहीं किया गया? अगर कोई आत्ममंथन करें तो एक बात स्पष्ट हो जाती है कि पिछली सदी में बनाई गई संस्थाएं आज की इक्कीसवीं सदी की व्यवस्थाओं के अनुसार नहीं है। दुर्भाग्यवश आज दुनिया के कई देशों के मध्य लड़ाइयां जारी हैं। इन लड़ाइयां के कारण विश्व के देश दो भागां में बंटते जा रहे हैं। वर्तमान में रूस–यूक्रेन युद्ध के साथ ही कई अन्य देशों के मध्य चलने वाले युद्धों को रोक पाने में असमर्थ रहने पर संयुक्त राष्ट्र में बदलाव की मांग भी जोर पकड़ती जा रही है। वर्ष 1969 में नोबल पुरस्कार विजेता महान अर्थशास्त्री जान टिनबेरजेन ने भी कहा था कि "राष्ट्रीय सरकारें विश्व के समक्ष उपस्थित संकटों का हल अधिक समय तक हल नहीं कर पायेंगी। इन समस्याओं के समाधान के लिए विश्व सरकार आवश्यक है।

चीता प्रोजैक्ट पर सवाल

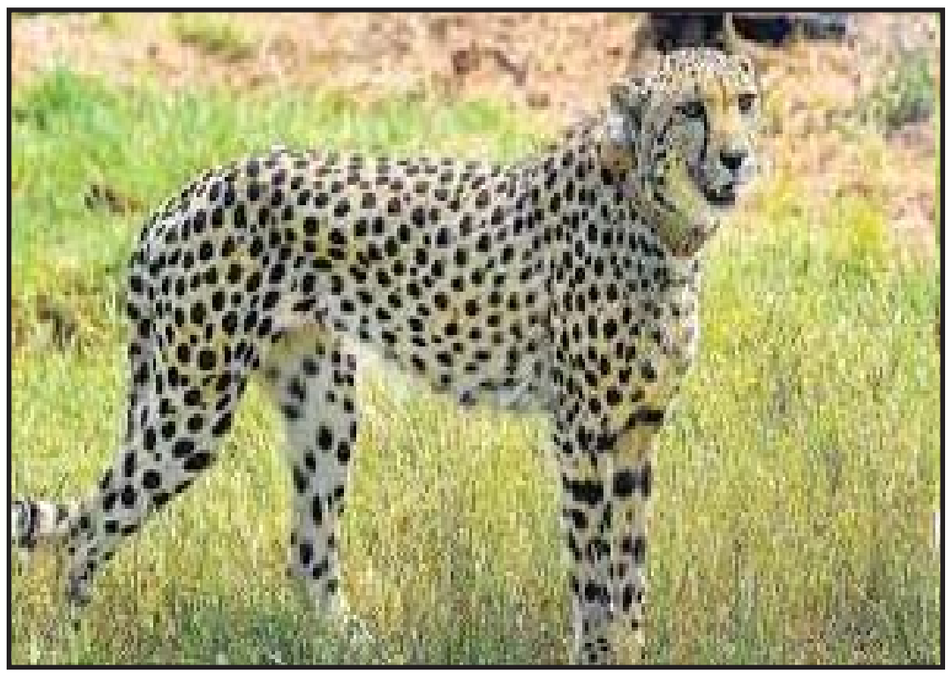

मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नैशनल पार्क में लगभग दो माह में 6 चीतों की मौत हो चुकी है। इनमें तीन शावक भी शामिल हैं। 70 साल के लम्बे अंतराल के बाद कूनो में जन्मे 4 शावकों में से तीन की मौत काफी दुखद है। कूनो में विदेश से लाए गए 20 चीतों में से केवल 17 और यहां जन्म लिए चार शावकों में से केवल एक शावक ही जीवित बचा है। भारत में चीतों को बसाने के लिए मोदी सरकार महत्वाकांक्षी योजना चला रही है। जब नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से चीते लाए गए थे तो उनका भव्य स्वागत किया गया था। वन्य प्राणियों और मानव तथा प्रकृति का आपस में गहरा संबंध है। ज्यों–ज्यों सभ्यता का विकास होता गया, मनुष्य ने जंगल काट–काट कर कंकरीट की इमारतें खड़ी कर दीं, तब से ही पर्यावरण का संतुलन घबिगड़ गया। वन्य प्राणियों के लिए सुरक्षित स्थल बचे ही नहीं। तभी वन्य प्राणी आजकल शहरों की सड़कों पर भी दिखाई देने लगे हैं। मनुष्य ने वन्य प्राणियों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया है। इसके बाद सरकार ने विदेश से चीते लाने की कवायद शुरू की थी।

एक के बाद एक चीतों के मारे जाने से पूरे चीते प्रोजैक्ट पर ही प्रश्नचिन्ह लग गए हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी चीतों की मौत पर चिंता जताते हुए तीखे सवाल किए हैं। हालांकि मैडिकल विशेषज्ञों का कहना है कि भीषण गर्मी की वजह से इन चीतों की मौत हुई है। क्योंकि श्योपुर में कई दिन से पारा 47 डिग्री तक पहुंच चुका था। लेकिन विशेषज्ञ कुछ और ही कह रहे हैं। सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सरकार ने चीतों को लाने में जल्दबाजी कर दी? क्या उन्हें लाने से पहले उनके लिए अनुकूल वातावरण नहीं बनाया गया? क्या उनकी देखरेख में लापरवाही बरती जा रही है? विशेषज्ञ कह रहे हैं कि कूनो नैशनल पार्क इतनी संख्या में चीतों को रखने के लिए पर्याप्त नहीं है।

चीता इकलौता ऐसा बड़ा नरभक्षी प्राणी बताया जाता है, जो भारत से पूरी तरह विलुप्त हो गया था। इससे पहले सैकड़ों वर्षों तक चीते भारत में शाही शानोशौकत का हिस्सा रहे थे। चीतों को पालतू बनाना आसान होता है। ये टाइगर की तरह खतरनाक भी नहीं होते। इसलिए राजे–रजवाड़े अपनी शान बखारने और शिकार के घ्लिए इनका इस्तेमाल किया करते थे। भारत में चीतों के शिकार का आखिरी रिकार्ड 1948 में मध्य प्रदेश में दर्ज हुआ था। माना जाता है कि कोरिया रियासत के महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव ने जिन तीन चीतों काघ शिकार घ्किया था, वो आखिरी थे। उसके बाद साल 1952 में भारत सरकार ने चीतों कोघ विलुप्त घोषित कर दिया था। इसकी मुख्य वजह अत्यधिक शिकार और उनके रिहाइश में कमी बताई जाती है। चीतों को धरती पर सबसे तेज रफ्तार जानवर माना जाता है। महज 3 सैकंड के अन्दर ये जीरो से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकते हैं। चीते विशाल इलाके में रहना पसंद करते हैं।

एक चीते की औसत रेंज लगभग 100 किलोमीटर होती है। उन्हें बाड़े से छोड़ने पर वे दूर तक निकल जाते हैं। यही वजह है कि मार्च में जब नामीबिया से लाए गए दो चीते आशा और पवन को जंगल में छोड़ा गया था, तब वो नैशनल पार्क से बाहर चले गए थे। बाद में आशा को कूनो के विजयपुर रेंज से पकड़ा गया था।

पवन यूपी बार्डर पर शिवपुरी और झांसी के बीच मिला था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो और चीते मारे जाने की आशंका है। चीते निश्चित रूप से अपने क्षेत्र स्थापित करने का प्रयास करते हैं और अपने क्षेत्रों एवं मादा चीतों के लिए एक–दूसरे से लड़ते हैं। इस लड़ाई में चीते मारे जाते हैं। नर चीते मादा से संबंध बनाते हैं। हिंसक हो जाते हैं जिससे जैसा कि मादा चीता दक्षा की मौत हो चुकी है। विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि अभी तक के इतिहास में बिना बाड़ वाले किसी भी अभयारण्य में चीतों को पुनः बसाए जाने की परियोजना सफल नहीं हुई। बेहतर होगा कि भारत के सभी अभयारण्य के चारों ओर बाड़ लगाई जाए और सिंक रिजर्व भरने के लिए सोर्स रिजर्व बनाए जाएं। सोर्स रिजर्व ऐसे स्थल होते हैं जो किसी विशेष प्रजाति की संख्या वृद्धि और प्रजनन केघ लिए अनुकूल पर्यावरणीय परिस्थितियां उपलब्ध कराते हैं।

चीतों को रखने के लिए तापमान को भी नियंत्रण में रखना जरूरी है। बेहतर यही होगा कि चीतों को किसी और जगह शिफ्ट किया जाए। चीतों की मौत के लिए प्रबंधन में कमी और तालमेल का अभाव जिम्मेदार है। दरअसल चीतों को जहां से लाया गया है वहां के और भारत के क्लाईमेट में बहुत अंतर है। चीतों को भारत के माहौल में ढलने में कई वर्ष लग सकते हैं। चीता प्रोजैक्ट की सफलता के लिए सरकार को अपने एक्शन प्लान पर नए सिरे से विचार करना होगा और चीतों के अनुकूल परिस्थितियां स्थापित करनी होंगी। **—आदित्य नारायण**

आप के लिए आगे मुश्किल ज्यादा!

आम आदमी पार्टी के विस्तार के रास्ते में एक बार फिर बाधा आती दिख रही है। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद आम आदमी पार्टी की मुश्किलें बढ़ेंगी और किसी नए राज्य में उसके विस्तार का रास्ता बंद होगा या कम से कम उसकी रफ्तार धीमी होगी। ऐसा होने के कई कारण हैं। सबसे पहले तो आम आदमी पार्टी के छोटे से राजनीतिक इतिहास को देखें तब भी समझ में आएगा कि पहले चुनाव से ही जिन राज्यों में उसका राजनीतिक असर बना और दिखा था उन्हीं राज्यों में वह आगे बढ़ पाई और नए राज्यों में राजनीतिक जमीन हासिल करने का उसका हर प्रयास विफल रहा। पार्टी बनने के बाद पहले चुनाव में यानी 2013 के दिल्ली विधानसभा और 2014 के लोकसभा चुनाव में उसे सिर्फ दिल्ली और पंजाब में कामयाबी मिली थी और हैरानी नहीं है कि पार्टी उसके 10 साल बाद भी सिर्फ इन्हीं दोनों राज्यों में सफल हो पाई है। गुजरात में जरूर उसको 13 फीसदी वोट मिले हैं लेकिन वह एक तरह का भटकाव या एबेरेशन है, जिसका असर अब खत्म हो गया है और हैरानी नहीं होगी अगर आने वाले चुनावों में कांग्रेस का वोट उसके पास वापस लौट जाए। ध्यान रहे आम आदमी पार्टी के गठन के बाद उसने दिसंबर 2013 में पहली बार दिल्ली में विधानसभा का चुनाव लड़ा था और उसको 28 सीटें मिली थीं। तब 32 सीट के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। भाजपा की सरकार बनने देने की बजाय कांग्रेस ने अपने आठ विधायकों का समर्थन देकर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनवाया था। उसका खामियाजा कांग्रेस आज तक भुगत रही है। इसके बाद 2014 के लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को सिर्फ चार सीटें मिली थीं और वह भी पंजाब में। वहीं पर फिर उसे 2017 के विधानसभा चुनाव में आंशिक कामयाबी मिली और 2022 के चुनाव में पूर्ण कामयाबी मिली। सो, ये दो राज्य ऐसे हैं, जहां आम आदमी पार्टी के पैर जम गए हैं। इसके अलावा किसी नए राज्य में किसी भी चुनाव में उसे कामयाबी नहीं मिली।

इस भूमिका के बाद अब कर्नाटक की बात करते हैं। कर्नाटक में आम आदमी पार्टी ने 168 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। उस पार्टी की राजनीति को समझने वाले किसी भी व्यक्ति को नतीजों से हैरानी नहीं होनी चाहिए। उसके सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। आम आदमी पार्टी को सिर्फ 0.58 फीसदी वोट मिले, जबकि नोटा को 0.69 फीसदी वोट मिले। यह सही है कि चुनाव प्रचार में अरविंद केजरीवाल नहीं गए थे लेकिन उससे पहले उन्होंने खूब जोर लगाया था। वे पंजाब के अपने मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर कर्नाटक गए थे और बेंगलुरू में सभा और रोड शो किया था। बेंगलुरू महानगर है और उसका चरित्र काफी हद तक दिल्ली से मिलता जुलता है लेकिन वहां भी पार्टी को कोई कामयाबी नहीं मिली। पिछले साल के अंत में गुजरात के साथ हिमाचल प्रदेश के भी चुनाव हुए थे, जहां आम आदमी पार्टी 67 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। राजधानी शिमला सहित सभी सीटों पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई थी। उसको सिर्फ 1.10 फीसदी वोट मिले थे। वहां उसका प्रदर्शन नोटा से थोड़ा बेहतर था। पिछले ही साल उत्तराखंड में पार्टी सभी 70 सीटों पर लड़ी थी। हर सीट पर उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुए थी और पार्टी को महज 3.31 फीसदी वोट मिला था। आम आदमी पार्टी की राजनीति का एक दूसरा फीचर यह है कि वह सिर्फ उन्हीं राज्यों में लडने जाती है, जहां कांग्रेस और भाजपा की सीधी लड़ाई है। पंजाब इसका अपवाद है लेकिन चूंकि 2014 के लोकसभा चुनाव में इस राज्य में उसको सफलता मिल गई थी इसलिए उसने वहां फोकस किया। उसके अलावा उसका ध्यान कांग्रेस और भाजपा की सीधी लड़ाई वाले राज्यों पर होता है। इसका कारण यह है कि भाजपा से ज्यादा आम आदमी पार्टी उसके कांग्रेस मुक्त भारत के नारे पर विश्वास करती है। उसको लगता है कि भाजपा के प्रचार और राजनीतिक अभियान से कांग्रेस कमजोर होगी तो उसकी जगह आम आदमी पार्टी आ सकती है। इसलिए वह भाजपा के अभियान में हर जगह मदद पहुंचाने पहुंच जाती है। भले उसका योगदान रामसेतु निर्माण में गिलहरी के योगदान के बराबर हो लेकिन वह योगदान करती जरूर है। इसलिए अगर कर्नाटक के चुनाव नतीजे से कांग्रेस मजबूत होती है, उसकी राजनीति ट्रैक पर लौटती है, उसके खत्म होने और देश के कांग्रेस मुक्त होने का नैरेटिव स्थगित होता है, राहुल गांधी की श्पप्पूय छवि टूटती है तो भाजपा से ज्यादा आम आदमी पार्टी को निराशा होगी और नुकसान होगा। अगर कांग्रेस कर्नाटक में नहीं जीत पाती तो इस साल के अंत में होने वाले तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में उसका अभियान कमजोर पड़ता। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उसके कार्यकर्ताओं और नेताओं का मनोबल गिरता। पार्टी छोडने वालों की होड़ लग जाती। ऐसी स्थिति में आम आदमी पार्टी अगर इन राज्यों में चुनाव लडने पहुंचती तो उसे बड़ा रिस्पांस मिलता। लेकिन कर्नाटक के बाद वह हो सकना संभव नहीं दिख रहा है। हालांकि इसके बावजूद केजरीवाल की पार्टी वहां चुनाव लडने जरूर जाएगी। वह कांग्रेस को हराने के भाजपा के अभियान में उसकी प्रत्यक्ष या परोक्ष मदद जरूर करेगी क्योंकि उसको पता है कि कांग्रेस हारेगी तभी उसकी जगह आप आगे बढ़ेगी। लेकिन कर्नाटक का चुनाव उसके रास्ते की बाधा बन गया है। कर्नाटक के बाद कांग्रेस ज्यादा उत्साह से लड़ेगी। उसके नेताओं को लगने लगा है कि मेहनत की जाए तो भाजपा को हराया जा सकता है। कांग्रेस का यह कांफिडेंस लौटना आप के लिए मुश्किल वाली बात है। **—अजीत द्विवेदी**

आज का राशिफल

मेष :– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घरेलू दायित्वों के प्रति सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी।

बृषभ :– शासन–सत्ता से जुड़े लोगों से निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार हैं। पुराने संबंधों से लाभ संभव। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। आलस्य का त्याग करें।

मिथुन :– सगे–संबंधियों के बीच व्यवहार कुशल बने। सामाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागेदारी संभव। निकट संबंधों में मधुर संवाद से सुंदर छबि बनायें। महत्वपूर्ण प्रयत्न सार्थक होंगे।

कर्क:– विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। कार्यक्षेत्र में संबंधों का भरपूर लाभ मिलेगा।

सिंह :– नकारात्मक चिंताओं को त्याग अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी–पेशे में अधिकारियो व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनीतिक लोगों सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या :– पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन चिंतित होगा।

तुला :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण में उत्साह का माहौल रहेगा। दुविधाओं का त्याग करें।

वृश्चिक :– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में ब्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के भावनात्मक सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख व मजाकिया स्वभाव से प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनु :– जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है। नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। संतान संबंधित दायित्वों की पूर्ति होगी।

मकर :– भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकट संबंधों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी होंगी। तामसी व गैर सांस्कारिक कायरें की ओर आकर्षित मन पर अंकुश लगायें।

कुंभ :– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव किंतु निराशावादी विचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

मीन :–अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होगी। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रही जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होंगे।

संसद इमारत उद्घाटन का कैसा होगा इतिहास?

देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस सहित 19 पार्टियों ने संसद भवन की नई इमारत के उद्घाटन का बहिष्कार करने का फैसला किया है। विपक्षी पार्टियों ने एक साझा बयान जारी करके 28 मई को होने वाले उद्घाटन में हिस्सा नहीं लेने का ऐलान किया है। विपक्ष की ओर से बहिष्कार के दो मुख्य कारण बताए गए हैं। पहला, संसद से लोकतंत्र की आत्मा को ही छीन लिया गया है, तो हमें एक नई इमारत की कोई कीमत नजर नहीं आती है। दूसरा, श्नए संसद भवन का उद्घाटन एक यादगार अवसर है। हमारे इस भरोसे के बावजूद कि यह सरकार लोकतंत्र के लिए खतरा है और जिस निरंकुश तरीके से नई संसद का निर्माण किया गया था, उसके प्रति हमारी अस्वीकृति के बावजूद हम मतभेदों को दूर करने के लिए इस अवसर पर शामिल होने के लिए खुले थे। लेकिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पूरी तरह से दरकिनार करते हुए नए संसद भवन का उद्घाटन खुद ही करने का प्रधानमंत्री मोदी का फैसला न केवल उनका अपमान है, बल्कि हमारे लोकतंत्र पर सीधा हमला हैय। ये दोनों बातें अपनी अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि संसद सिर्फ एक इमारत नहीं होती है और न उसकी भव्यता से संसदीय प्रणाली की गरिमा परिभाषित होती है। संसद देश भर की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के बीच खुले दिल से बहस, विचार–विमर्श और संवाद की जगह होती है। संसद, देश के संपूर्ण आबादी के हितों को ध्यान में रख कर कानून बनाने की जगह होती है। कई बार कानून बनाने में सांसदों की एक राय होती है और कई बार एक राय की बजाय बहुमत से कानून बनता है लेकिन हर बार यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कानून के हर पहलू पर खुले दिल से चर्चा हुई है और जो सबसे बेहतर हो सकता है उसे मंजूर किया गया है। दुर्भाग्य से भारतीय संसद से यह बात गायब होती जा रही है। विधेयकों पर चर्चा का समय कम होता जा रहा है। कानून बनाने में विपक्ष की भूमिका सीमित होती जा रही है। कई बार सांसदों को मार्शल के जरिए सदन से निकाल कर विधेयकों की मंजूरी कराई गई। संसदीय समितियों का महत्व लगभग समाप्त कर दिया गया है। विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी के सर्वोच्च नेता की सदस्यता मानहानि के एक मामूली मुकदमे में सजा के आधार पर समाप्त कर दी गई। संसदीय प्रणाली और परंपरा के क्षरण की ताजा मिसाल दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट से मिले अधिकार छीनने के लिए अध्यादेश जारी करने का है। ऐसे और भी कई मामले हैं, जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि संसद से उसकी आत्मा छीन ली गई है या छीनी जा रही है।

परंतु सवाल है कि क्या इस वजह से विपक्षी पार्टियों का संसद और संसदीय राजनीति से मोहभंग हो गया है? क्या संसद के उद्घाटन समारोह में गैरहाजिर रह कर वे संसद की आत्मा को पुनर्जीवित कर पाएंगे? क्या वे इस भवन में होने वाली संसदीय कार्यवाही में भी हिस्सा नहीं लेंगे? क्या गैरहाजिर रह कर वे अपने सीमित स्पेस को और कम नहीं कर रहे हैं? क्या यह अच्छा नहीं होता कि जैसे संसद की कार्यवाही के दौरान मौजूद रह कर विपक्ष अपना मजबूत प्रतिरोधा दर्ज कराता है उसी तरह उद्घाटन में भी विपक्ष मौजूद रहे और सरकार के प्रति अपना विरोध भी जारी रखे? ध्यान रहे संसद की नई इमारत भले केंद्र सरकार ने बनवाई है और नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे लेकिन यह इमारत सबकी है। इस देश के 60 हजार मजदूरों का पसीना बहा है इसे तैयार करने में और 140 करोड़ लोगों की खून पसीने की कमाई इसके निर्माण में शामिल है। इसलिए संसद किसी एक नेता या किसी एक पार्टी की जागीर नहीं हो सकती है। विपक्षी पार्टियों का भी बराबर का हिस्सा इस इमारत में है और शासन की इस महान प्रणाली में भी है। उन्हें अपनी मौजूदगी से प्रतिरोध की नई मिसाल बनानी चाहिए।

पाकिस्तान की हकीकत!

पाकिस्तान आज पूरी दुनिया में 'बेनंग–ओ–नाम' मुल्क इस वजह से बना है क्योंकि इसके सियासतदानों ने इस मुल्क की तामीर के वक्त इसका कोई मुस्तकबिल तय नहीं किया। इसके सियासत दां सिर्फ हुकूमत में रहने के लिए 'भारत' के खिलाफ नफरत का जहर उगलते रहे और इस्लामी मुल्क बनने के लिए अपने असली मुल्क 'हिन्दोस्तान' के हिन्दुओं के खिलाफ अपनी अलग कौमियत की धाक जमाते रहे। जरा सोचिये जब आजाद होने पर 1955–56 तक भारत में नई–नई बड़ी संस्थाएं बन रही थीं और शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य व कृषि से लेकर विज्ञान व साहित्य और न्याय तक के क्षेत्रों में नये संस्थान पं. नेहरू स्थापित कर रहे थे तो पाकिस्तान में वहां के राजनीतिज्ञों में हुकूमत पर काबिज होने के लिए जंग मची हुई थी। नेताओं के कत्ल हो रहे थे और पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) में वहां की एसेम्बली के स्पीकर राशिद अली का सिर सदन के भीतर ही माइकों से लहूलुहान किया जा रहा था। उस वक्त तक पाकिस्तान का कोई संविधान भी नहीं था। इधर हिन्द में पं नेहरू बड़े–बड़े उद्योगों का जाल खड़ा कर रहे थे और उधर पाकिस्तान में फौजी मार्शल लॉ लगाने की तैयारी चल रही थी। जिन मुसलमानों के लिए जिन्ना ने भारत में खून की नदियां बहाकर और दस लाख लोगों का कत्ल करके उनकी लाशों पर जिस पाकिस्तान को मुसलमानों के लिए तामीर किया था उसी मुल्क में 1953 में ही मुसलमान ही मुसलमानों का कत्ल कर रहे थे और 'अहमदिया' मुसलमानों को बता रहे थे कि वे 'मुसलमान' हैं ही नहीं। ये कत्लोगारत इतनी बढ़ी कि पाकिस्तान में पहली बार फौज को सड़कों पर उतर कर इन दंगों को काबू करना पड़ा और फिर 1958 में इसी फौज ने पूरा पाकिस्तान काबू में करके जनरल अयूब को अपना सरपरस्त बना लिया मगर जनरल अयूब खुद एक तरक्की पसन्द नजरिया रखने वाला फौजी था जिसकी वजह से उसने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए पुख्ता इंतजाम किये और आम अवाम को जहालत से बाहर निकालने के लिए भी कई काम किए। मगर सबसे बड़ा काम यह किया कि उसने अपने मुल्क में कारोबार व उद्योगों की इफरात मुहाल की और तिजारत को बढ़ावा दिया। बेशक यह सारा काम उसने विदेशों की मदद से ही किया मगर 1963–64 तक पाकिस्तान की सकल विकास वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत हो गई थी जो उस वक्त भारत की वशद्धि दर से बहुत ज्यादा थी। मगर जनरल अयूब ने 1965 में अपने पैरों पर कुल्हाड़ी खुद मार ली और कश्मीर के नाम पर भारत से जंग शुरू कर दी जिसमें पाकिस्तान मुंह के बल ऐसा गिरा कि आज तक उठने के लिए तौबा–तौबा करता नजर आ रहा है। इसके बाद से ही पाकिस्तान की उलटी गिनती शुरू हो गई और आज इसकी हालत ऐसी हो गई है कि इसके हाथ में भीख का कटोरा है और कोई इसे भीख देने से बेहतर दुत्कारना ज्यादा मुनासिब समझता है। 1965 के बाद 1971 में पाकिस्तान फिर भारत से जंग के मैदान में उलझा और अपने साबुत वजूद से ही बेदखल हो बैठा। पूर्वी पाकिस्तान को भारत ने बांग्लादेश बना दिया। आज इसके वजीरे आजम शहबाज शरीफ जो सिर पकड़ कर बैठे हुए हैं और अपने से पहले के हुक्मरान इमरान खान के कारनामों का काला चिट्ठा अवाम के सामने रखते हुए खुद ही परेशान हो रहे हैं उसकी वजह एक ही है कि पाकिस्तान की बुनियाद ही बेइमानी और धोखाधड़ी पर पड़ी हुई है। क्या पूरी दुनिया में कभी किसी ने सुना है कि किसी साबिक वजीरे आजम को एक साथ आठ कानूनी मामलों में अदालतों से जमानत मिली हो। मगर इमरान खान तो इसे भी दो चौक्के ही समझ रहा है और शान से अवाम को बताने की जुर्रत कर रहा है कि उसके भड़काये हुए लोगों ने जिस तरह फौजी संस्थानों पर हमले किये उनका सबब पाकिस्तान की हिफाजत करना ही था। पाकिस्तान में फिलहाल हालात ऐसे हैं कि फौज नागरिक प्रशासन से लड़ रही है, अदालतें सियासतदानों से लड़ रही है और खुद बड़ी अदालतें भी एक दूसरे से लड़ रही हैं। एक अदालत इमरान खान को जेल भेजती है तो दूसरी उसे जमानत देने का हुक्म सुना देती है और अवाम 120 रुपए किलो आटा खरीद रही है और 500 रुपए लीटर दूध ला रही है। पाकिस्तान में रुपये की कीमत 300 रुपए बराबर एक डालर हो चुकी है। वहां की सरकार कह रही है कि घड़ी चोर इमरान मुल्क छोड़ कर भाग न जाये इसलिए सभी एयर लाइनों को उसे टिकट देने के लिए मना कर दिया गया है। भारत ने पहले दिन से ही कहा अलग हो गये हो तो अलग होने का सलीका भी सीखो मगर पाकिस्तान ने कभी अक्ल से काम नहीं लिया जिसकी वजह से यह कभी जम्हूरियत का मुहाफिज नहीं बन सका। मगर क्या किया जाये है तो पाकिस्तान भारत का पड़ोसी ही है इसलिए थोड़ी फिक्र अपनी खातिर ही सही करनी पड़ती है, "जाना पड़ा रकीब के दर पर हजार बार ए काश जानता न तेरी रहदगुजर को मैं।"

सनबीम स्कूल छात्रा की मौत के बाद पोस्टमार्टम हाउस पर लगी भीड़ व मृतक छात्रा अनन्या श्रीवास्तव

स्कूल प्रबंधक, प्रधानाचार्य व गेम टीचर के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म व हत्या का केस दर्ज

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। शहर के प्रतिष्ठित सनबीम स्कूल की छात्रा अनन्या श्रीवास्तव की मौत के मामले में स्कूल प्रबंधन और स्टाफ बुरी तरह से घिरता दिखाई दे रहा है। हालांकि छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर पुलिस के पास अभी कोई ठोस जवाब नहीं है। फिरभी एसओजी समेत पुलिस की टीमें सनबीम स्कूल का कोना – कोना और सीसीटीवी की एक एक खंगाल रहीं हैं। शुक्रवार को नगर कोतवाली क्षेत्र के रायबरेली रोड स्थित उसरू गांव की हाईस्कूल छात्रा अनन्या श्रीवास्तव पुत्री संजीव श्रीवास्तव की मौत सनबीम स्कूल की छत से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर मौत हो गई, मामले में पुलिस ने छात्रा के बाबा की तहरीर पर स्कूल के प्रबंधक बृजेश यादव, प्रधानाचार्य रश्मि भाटिया व स्पोर्ट्स टीचर अभिषेक कनौजिया के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म, साक्ष्य मिटाने, पॉक्सो व हत्या करने का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में गेम टीचर अभिषेक कनौजिया को कैंट पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं, शव का पोस्टमार्टम तीन डॉक्टरों के पैनल द्वारा किया गया जिसकी वीडियोग्राफी भी करायी गयी है। हिरासत में लिए गए शिक्षक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मामले में प्रधानाचार्य ने परिजनों व मीडिया को गुमराह किया था और कहा था कि मौत झूले से गिरने से हुई है। पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज कर छानबीन में जुटी है। जिस जगह पर छात्रा गिरी थी। उस जगह खून के निशान भी मिटाए गए थे। ग्रीष्मावकाश के चलते विद्यालय बंद था। परिजनों का कहना है कि प्रधानाचार्य ने शुक्रवार को उसे विद्यालय में बुलाया था। पुलिस अधिकारियों का कहना था कि स्कूल में खून या अन्य निशान नहीं मिले हैं। मामले में स्कूल प्रबंधन की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। पूरे मामले की गहनता जांच की जा रही है। परिजनों के मुताबिक शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे छात्रा कैंट क्षेत्र में अयोध्या–रायबरेली रोड स्थित सनबीम स्कूल गई थी। आधे घंटे बाद वह स्कूल परिसर के दाहिने तरफ गंभीर हालत में पड़ी मिली। छात्रा के सिर व पैर में गंभीर चोट लगी थी। छानबीन में पता चला कि स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरे में छात्रा के तीसरी मंजिल से गिरने का वाकया कैद हुआ है। मृतका के चाचा ने बताया कि छात्रा के गंभीर रूप से घायल होने के बारे में शुरू में स्कूल प्रबंधन नहीं बता रहा था। स्कूल के कुछ लोगों ने झूले से गिरकर घायल होने की आशंका जताई। स्कूल प्रबंधन ने ही उसे अस्पताल में भर्ती कराया और घटना के करीब घंटे भर बाद घरवालों की सूचना दी गई। बताया कि छात्रा बुरी तरह से घायल थी, उसका एक पैर टेढ़ा हो गया था। एक पैर की हड्डी टूटकर बाहर निकल आई थी। सिर में भी गंभीर चोट थी। अस्पताल में उसे दो यूनिट खून भी चढ़ाया गया। छात्रा के पिता भारत पेट्रोलियम में कार्यरत हैं। मां एक परिषदीय स्कूल में अध्यापिका हैं। सीसीटीवी फटेज में जहां छात्रा गिरती हुई दिखाई दे रही है, वहां खून के किसी तरह के निशान थे। जबकि वह गिरने के बाद जिस तरह घायल हुई व उसके शरीर में महज तीन मिलीग्राम खून बचा था।

विद्युत करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

मिल्कीपुर–अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के धौराहरा कालीचरण गांव अंतर्गत आह्लाद तिवारी का पुरवा में विद्युत करंट की चपेट में आने से 18 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची इनायतनगर पुलिस ने युवक का शव कब्जे में लेकर पंचायत नामा कराने के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मिल्कीपुर ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत टिकरा के धौराहरा कालीचरण गांव अंतर्गत आह्लाद तिवारी का पुरवा में हर घर जल योजना अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने का काम संबंधित कार्यदाई संस्था द्वारा किया जा रहा है। पाइपलाइन बिछाने में लगे कर्मियों द्वारा गांव स्थित ट्रांसफार्मर से केवल जोड़कर जमीन से ही विद्युत तार ले जाया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि लाइन ले जाने के लिए बिछाया गया केबल तार जगह–जगह कटा फटा हुआ था। शनिवार को पूर्वान्ह करीब 11:30 बजे गांव निवासी राम किशोर तिवारी का 18 वर्षीय बेटा हिमांशु तिवारी ट्रांसफार्मर से थोड़ी दूर स्थित अपने घोर गड्ढे से गोबर की खाद भरने गया था।

जाम में फंसी एंबुलेंस देख गाड़ी से उतरकर दौड़े डिप्टी सीएम

रोड पर खड़ी क्रेन का चालान करने के दिये निर्देश ,पुलिस को लगाई फटकार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में जाम का झाम खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है शनिवार को कानपुर से गुजर रहा डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का काफिला सरोजनी नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरी स्कूटर इंडिया चौराहे से लेकर हाईडिल चौराहे तक लगे भीषड़ जाम में फंसी एंबुलेंस को देखते ही गाड़ी से उतर कर रोड पर खड़ी गाड़ियों को हटवाने लग में जाते हैं। वहीं डिप्टी सीएम को देखते ही स्थानीय पुलिस फोर्स के हांथ पांव फूलने लगते है और आनन फानन में रोड को खाली कराने के लिए मौजूद पुलिस बल लग जाती और रोड को खाली कराकर एंबुलेंस को जाम से मुक्त कराया। इस पर डिप्टी सीएम ने रोड पर खड़ी क्रेन को देखते ही भड़क जाते हैं और रोड पर खड़ी गाड़ियों का चालान करने के लिए ट्रैफिक पुलिस को निर्देश देते हुए कहा कि सड़क पर जाम नहीं लगने देना है रोड पर खड़ी गाड़ियों का चालान करने को कहा। इसके अलावा डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सरकारी अस्पतालों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा को कम से कम 72 घंटे अस्पताल में जरूर भर्ती रखें। क्योंकि प्रसव के बाद जच्चा और बच्चे की सेहत के लिए यह समय काफी अहम होता है। आमतौर पर सामान्य प्रसव की दशा में परिवार के सदस्य जच्चा–बच्चा को जल्द डिस्चार्ज करने का दबाव बनाने लगते हैं। जो कि दोनों की सेहत के लिए घातक साबित हो सकता है। प्रदेश में संभावित करीब 67.06 लाख गर्भवती महिलायें होती हैं। सरकारी क्षेत्र में लगभग 50 से 55 लाख प्रसव होते हैं। जननी सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पताल में मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाता है। स्क्रीनिंग से लेकर पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी जॉच तक शामिल हैं। सभी दवाये फ्री दी जा रही है। जननी सुरक्षा योजना के तहत सभी जनपदों को 90 प्रतिशत यानी करीब 488 करोड़ 18 लाख 21 हजार रुपये के बजट का प्रावधान किया है। बाकी 10 फीसदी धनराशि बाद में आवंटित की जायेगी। आशा गर्भवती महिलाओं को चिन्हित करें।

संक्षिप्त खबरे

आंधी में गिरी दीवार और छप्पर,महिला की मौत,कपड़े उतारने छत पर गयी थी महिला

हरदोई। कछौना कोतवाली इलाके में तेज रफ्तार से आई आंधी और बरसात के चलते एक पक्की दीवार और छप्पर गिर जाने से उसके नीचे दबकर महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तेज रफ्तार आंधी और पानी ने एक महिला की जान ले ली। कछौना कोतवाली इलाके के कछौना देहात ग्राम पंचायत के गांव तकिया में यहां के रहने वाले रहीम की 19 वर्षीय पत्नी अंजलि घर में थी। इसी बीच तेज रफ्तार से आई आंधी और पानी की वजह से घर के ऊपर पड़े कपड़े उतारने के लिए गई हुई थी। अचानक ही तेज आंधी से उनके घर की छत पर बनी दीवार और उसके ऊपर पड़ा छप्पर उनके ऊपर गिर गया उसके मलबे में वह दब गई। हादसे के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने उन्हें बाहर निकाला तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। अपर पुलिस अधीक्षक नृपेन्द्र ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ई–रिक्शा चालकों से लूट करने वाले 5 शातिर गिरफ्तार

कानपुर। थाना बिठूर पुलिस ने पांच शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। बीते दिनों ई रिक्शा चालक से मारपीट कर उसे बंधक बनाकर मरणासन्न स्थिति में छोड़कर लूट करने वालों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से नकद रुपए और चोरी का माल बरामद हुआ है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई कर रही है। डीसीपी पश्चिम ने गिरफ्तार करने वाली टीम को इनाम का ऐलान किया है। कानपुर की थाना बिठूर पुलिस की टीम ने पांच शातिरों को गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह 11 बजे ब्लू वर्ल्ड वाटर पार्क के पास पांच अभियुक्तों को पकड़ा गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व आईआईटी गेट पर ई–रिक्शा लूट और चालक को मारने की घटना को कबूला। पांचों शातिर अभियुक्तों के खिलाफ पिछली कई घटनाओं में अलग–अलग थानों में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार किए गए 5 अभियुक्तों में रामजी दुबे, शशांक उर्फ छोटू, अभिषेक सिंह उर्फ गोलू,अंकुश दुबे, सुभाष कटियार पकड़े गए है। पकड़े गए अभियुक्तों के पास से चोरी का माल बरामद किया गया है। जिसमें नकद रुपए और बैटरी रिक्शा के कटे हुए पार्ट व कई बैटरी मिले हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम को डीसीपी पश्चिम ने रुपए 25000 इनाम देने का ऐलान किया है।

ओवरलोड डंपर काल बनकर दौड़ा,घर के बाहर सो रहे बुजुर्ग की मौत

कानपुर। महाराजपुर के हाथीपुर में शुक्रवार देर रात मिट्टी खनन कर ले जा रहा ओवरलोड डंपर गांव की गलियों में काल बनकर दौड़ा। अनियंत्रित डंपर की चपेट में आकर चार बिजली के खंभे टूट गए। खंभे गिरने से घर के बाहर सो रहे रामधीन प्रजापति (62) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनका छोटा भाई 58 वर्षीय मेवालाल घायल हो गया। घटना के बाद गांव में अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने घेराबंदी कर भाग रहे डंपर को पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल मेवालाल को रामादेवी स्थित कांशीराम ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। ग्रामीण अवैध मिट्टी खनन के चलते हादसा होने की बात बता रहे हैं। महाराजपुर के हाथीपुर में शुक्रवार देर रात खनन कर मिट्टी से भरा डंपर गांव से होकर हाईवे की तरफ जा रहा था। गांव के बीच पंचायत भवन के पास ओवरलोड डंपर अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा टूटकर घर के बाहर सो रहे बुजुर्ग किसान रामधीन प्रजापति व उनके छोटे भाई मेवालाल के ऊपर जा गिरा। ग्रामीण कुछ समझ पाते तब तक डंपर ने तीन और खंभे तोड़ डाले। अचानक हुए इस हादसे से गांव में अफरातफरी मच गई। चीख–पुकार सुन लोग मौके पर दौड़े तो देखा कि रामधीन व मेवालाल घायल पड़े हैं। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही रामधीन की मौत हो गई। पुलिस ने घायल मेवालाल को रामादेवी स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। गांव वाले घटना के पीछे अवैध खनन को जिम्मेदार बता रहे हैं। डंपर गांव के ही एक व्यक्ति का बताया जा रहा है। महाराजपुर थानाध्यक्ष योगेश सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

दहेज के लिए विवाहिता को जलाने का आरोप,पति व ननदों पर केस दर्ज

मिल्कीपुर–अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के शाऊं का पुरवा बोड़ेपुर गांव में दहेज के लिए एक विवाहिता को जलाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर खंडासा पुलिस ने हत्या के प्रयास एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। मिल्कीपुर कोतवाली क्षेत्र के घाटमपुर गांव निवासी पीड़िता के पिता तिलकराम ने खंडासा पुलिस को दी गई तहरीर में बताया गया है कि उनकी पुत्री का विवाह वर्ष 2016 में पूरे शाऊं बोड़ेपुर निवासी शिवप्रताप पुत्र राम मनोहर किया था। उन्होंने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज भी दिया था लेकिन विवाह के समय ही शिव प्रताप व उनकी दो बहने मोटरसाइकिल की मांग कर रही थी न दे पाने पर काफी दिनों से प्रताड़ित किया जा रहा था। 20 मई की रात 10 बजे दहेज के बाबत ही उनकी पुत्री सीमा को पति शिव प्रताप व दो ननदों सीता और आशा ने मार डालने के उद्देश्य से जला दिया। जिससे उनकी पुत्री झुलस गई। जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। खंडासा पुलिस ने पिता की तहरीर पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास, क्रूरता व दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर छानबीन शुरू कर दी है। थाना प्रभारी खंडासा विनय कुमार यादव ने बताया कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है जांच की जा रही है।

बन गई नगर की नई सरकार, अध्यक्ष ने ग्रहण किया कार्यभार

नवनिर्वाचित अध्यक्ष तथा सभासदों ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

महोली (सीतापुर) । महोली नगर की नवनिर्वाचित अध्यक्ष केतुका ने सभी सभासदों के साथ पद और गोपनीयता की शपथ ली। शहर के सर्वांगीण विकास में नई अध्यक्ष केतुका नगर क्षेत्र की उन्नति में नई सोच के साथ काम करेंगी। जिसमें क्षेत्र के पिछड़ेपन और तमाम मूलभूत समस्याओं के साथ सिंगल यूज प्लास्टिक का निषेध,लोकल व्यापार को बढ़ावा, गरीबों को शिक्षा और स्वास्थ्य, विद्युत की व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, जर्जर मार्गों की मरम्मत के साथ जल निकासी की समुचित व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिये जाने पर जोर दिया। नगर को विकास के पथ पर लाकर प्रदेश में नयी पहचान स्थापित करेगी इसके लिए सभी नवनिर्वाचित सभासदों, अधिकारियों और जनता को पूरा सहयोग देना होगा। कृषक इंटर कॉलेज परिसर में अध्यक्ष पद की शपथ लेने के बाद केतुका देवी के साथ सपा वक्ताओं ने यह विचार व्यक्त किए। तहसील के एसडीएम अभिनव यादव ने नगर पंचायत अध्यक्ष केतुका देवी और सभी वार्ड सभासदों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जिसके बाद से विधि–विधान पूर्वक कार्यभार ग्रहण कर नई शहर की सरकार का गठन हो गया और जनवरी माह से चल रहा प्रशासक काल समाप्त हो गया। शनिवार को नगर के कृ.इं.कॉलेज परिसर में नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा नपं कर्मियों के सहयोग से नव निर्वाचित अध्यक्ष तथा सभासदों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन कराया गया। शपथ ग्रहण के दौरान मुख्य अतिथि, समाजवादी पार्टी के पूर्व एमएलसी आनंद भदौरिया तथा पूर्व विधायक अनूप गुप्ता के समक्ष नवनिर्वाचित अध्यक्ष और सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन अरुण कुमार ने किया। आयोजन में उपजिलाधिकारी ने नगर की तमाम समस्याएं बताकर, सभी को मिल जुलकर शहर को बेहतर, साफ सुथरा और सुंदर बनाने की अपील की। आनंद भदौरिया ने कहा नगर की पूरी टीम और वर्तमान के दो चेयरमैनों के अनुभव के साथ विकास की गाड़ी नगर के उन्नति पथ पर दौड़ेगी और बोर्ड के 18 लोगों में 8 महिला शक्ति के साथ मिलकर विकास को गति देने की अपील की। अनूप गुप्ता ने विचार व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय सांसद विधायक से धक्का लगाकर जनता का विकास करने की अपील की। पूर्व चेयरमैन दिनेश गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त कर जो विकास हुआ है उससे और बेहतर विकास की बात कही और सरिता गुप्ता ने क्षेत्र की विकास और उन्नति के लिए जनता के सहयोग की सराहना की। अंत में अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया और जलपान की व्यवस्था कराई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से तहसीलदार आरपी सिंह, अरविंद बाजपेई, रवि गुप्ता, अरुण बाजपेई, मोहम्मद हनीफ, कांति श्रीवास्तव, रमेश दीक्षित, मिंटू गुप्ता, ममता गुप्ता सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पत्नी को विदा कराने पहुंचे पति की संदिग्ध मौत, ससुर–साले और सादू पर लगा हत्या का आरोप

हरदोई। मायके में रह रही पत्नी को विदा कराने गए उसके पति की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव गांव के बाहर सड़क के किनारे पेड़ से इस तरह बंधा हुआ था, जिससे फांसी लगाने की बात आसानी से गले नहीं उतर रही है। चोटों के जख्म उसकी पिटाई करने की तरफ इशारा कर रहे थे। उसके ससुर, साले और सादू के ऊपर 60 हजार की नगदी छीन कर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेते हुए मामले की जांच कर रही है। बताया गया है कि सुरसा थाने के ओदरा निवासी मनीराम के 25 वर्षीय पुत्र आकाश की शादी साल 2022 में बघौली थाने के हथियाई निवासी विजय पाल की पुत्री पप्पी के साथ हुई थी। खेती–बाड़ी करने वाला आकाश बाहर रह कर मजदूरी भी कर लेता था। बताया गया है कि पप्पी करीब दो–ढ़ाई लाख के जेवर ले कर मायके चली गई थी। गुरुवार को आकाश उसे विदा कराने ससुराल गया हुआ था। शनिवार की सुबह हथियाई के कुछ लोगों ने आकाश की मौत के बारे में खबर दी। आकाश का हथियाई जाने वाली सड़क के किनारे एक पेड़ से इस तरह बंधा हुआ था, जिससे आत्महत्या करने की बात आसानी से गले नहीं उतर रही है। आकाश के नाक और मुंह के अलावा नाखूनों से खून निकल रहा था। पिता मनीराम का आरोप है कि आकाश दिल्ली से कमाई कर 60 हजार रुपये लाया था, ससुराल जाते वक्त वह सारा रुपया उठा ले गया था। आरोप है कि ससुर विजयपाल, साले संजय, साढ़ू प्रमोद निवासी कन्हई पुरवा कोतवाली शहर और दूसरे साढ़ू नन्हे निवासी जगतपुरवा ने सारे रुपये छीन कर आकाश की पीट–पीटकर हत्या कर दी। इसका पता होते ही बघौली एसएचओ ज्ञानेश दुबे मौके पर पहुंचे, उन्होंने वहां जांच–पड़ताल की। एसएचओ का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस बारे में कुछ कहा जा सकता है।

दुष्कर्म पीड़िता मासूम की उपचार के दौरान मौत

कानपुर। चकेरी में दुष्कर्म पीड़िता मासूम की उपचार के दौरान एलएलआर अस्पताल (हैलट) में मौत हो गई। बीते सोमवार को इलाके में रहने वाले दूसरे समुदाय के 10 वर्षीय बालक मासूम को साइकिल से घुमाने के बहाने ले गया था। इस दौरान बालक ने मासूम के साथ गलत हरकत की थी। जिसे टोकने पर आरोपित बच्ची को धक्का देकर भाग गया था। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल मासूम को उपचार के लिए हैलट के बाल रोग चिकित्सा विभाग में भर्ती कराया गया था। जहां शनिवार को मासूम की उपचार के दौरान मौत हो गई।

चकेरी निवासी मजदूर की तीन वर्षीय बच्चे को बीते सोमवार को इलाके में रहने वाला दूसरे समुदाय का 10 वर्षीय साइकिल से घुमाने के बहाने ले गया था। इस दौरान बालक मासूम को खाली प्लाट में ले जाकर गलत हरकत कर रहा था।

छात्राओं से अश्लील हरकत और छेड़छाड़ करने वाला उर्दू शिक्षक बर्खास्त

हरदोई। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टोंडरपुर में तैनात उर्दू शिक्षक ने वहां की छात्राओं के साथ न सिर्फ आशनाई वाली बातें की, बल्कि उनके साथ छेड़छाड़ जैसी हरकत तक की। इस मामले में डीएम ने तीन सदस्यीय समिति बना कर उससे जांच कराई तो लगाए गए सारे आरोप सच साबित हुए। इस पर बीएसए डा.विनीता ने डीएम के आदेश पर आरोपी शिक्षक को बर्खास्त (कर दिया है। बताते चलें कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टोंडरपुर की छात्राओं ने वहां तैनात उर्दू शिक्षक मुजीब खां पर आरोप लगाया था कि उसने उनके बीच न सिर्फ आशनाई वाली बातें की, बल्कि छेड़छाड़ तक की। 15 मार्च को तत्कालीन बीईओ शालिनी गुप्ता विद्यालय का निरीक्षण करने पहुंची, तो वहां की छात्राओं ने उनसे उर्दू शिक्षक मुजीब खां की न सिर्फ शिकायत की बल्कि सारा कुछ बयान कर दिया। जिस पर तत्कालीन बीईओ ने बीएसए को शिक्षक की कारस्तानी की सारी कहानी बता दी। बीएसए ने डीएम के सामने शिक्षक मुजीब खां की करतूतों का चिट्ठा खोला, जिस पर डीएम काफी खफा हुए और उन्होंने एसडीएम सण्डीला आईएएस दिव्या मिश्रा, सीओ हरियावां शिल्पा कुमारी और दिव्यांग कल्याण अधिकारी ऋचा गुप्ता की तीन सदस्यीय समिति बना कर उसे जांच सौंपी थी। समिति ने अपनी जांच में शिक्षक पर लगाए गए आरोपों को बिल्कुल सही पाया और अपनी रिपोर्ट डीएम को सौंप दी थी। बीएसए डा.विनीता ने डीएम के आदेश पर आरोपी उर्दू शिक्षक मुजीब खां को बर्खास्त कर दिया है। शिक्षक पर हुई बर्खास्तगी की कार्रवाई से महकमें में खलबली मची हुई है। टोडरपुर के बीईओ प्रभाष कुंवर श्रीवास्तव ने बर्खास्त किए गए उर्दू शिक्षक मुजीब खां के खिलाफ मामला दर्ज कराने के लिए बेहटा गोकुल थाने में तहरीर दी। जिस पर आरोपी मुजीब खां के खिलाफ धारा 354/279 के तहत मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी गई है।

जेसीपी ने अमीनाबाद का किया आकस्मिक निरीक्षण,खराब मिले कैमरे

थाने में साफ–सफाई व्यवस्था बनाये रखने का दिया निर्देश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। शनिवार को संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था उपेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा थाना दिवस पर थाना अमीनाबाद का आकस्मिक निरीक्षण कर दिये आवश्यक दिशा–निर्देश। इस दौरान थाने के अंदर सीसीटीवी खराब मिले। जिसे ठीक कराने के लिए निर्देश दिया। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था उपेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा थाना दिवस पर शनिवार को जनपद लखनऊ के थाना अमीनाबाद का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। थाना परिसर, हवालात, जीडी कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, आदि का निरीक्षण कर संबंधित को निर्देश दिये। थाने परिसर में लगे सीसीटीवी की जांच की तथा खराब पड़े सीसीटीवी को बदलवाने के लिए संबंधित को निर्देशित किया और ये भी हिदायद दी गयी कि यदि आवश्यकता हो तो सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ा ली जाये तथा परिसर की साफ–सफाई का भी विशेष ध्यान रखा जाये। थाना समाधान रजिस्टर, अपराध रजिस्टर, महिला हेल्प डेस्क रजिस्टर, तहसील दिवस रजिस्टर, आदि अभिलेखों का अवलोकन कर उन्हें सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही साथ थाना परिसर में आने वाले फरियादियों की शिकायतों को सुनकर उनके प्रार्थना पत्रों पर नियमानुसार व शीघ्र निस्तारण किया जाये। ये भी निर्देश दिये की थाना स्तर पर प्रभारी निरीक्षक, उपनिरीक्षक एवं बीट आरक्षी व मुख्य आरक्षी द्वारा की गयी कार्यवाही की समीक्षा भी सुनिश्चित करायी जाये तथा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक उत्तेजनात्मक व भड़काऊ पोस्ट करने वाले अराजक तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए उनके विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

हिस्ट्रीशीटर की गोली मारकर हत्यारूफोन करके घर से बुलाया और झोंके कई राउंड फायर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कानपुर। कानपुर जेल में बंद सपा विधायक इरफान सोलंकी के करीबी पूर्व पार्षद मन्नू रहमान के भांजे परेड निवासी मो.सैफ उर्फ भोलू उर्फ जबर को शुक्रवार देर रात गोली मार दी गई। वारदात मूलगंज के चौबेगोला में हुई। गोली मारने वाले की पहचान परेड के रहने वाले सलमान कांना के रूप में हुई है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने मौके से अहम साक्ष्य जुटाए हैं। नवाब इब्राहिम का हाता अस्पताल रोड परेड निवासी मोहम्मद सैफ उर्फ जबर (37) हिस्ट्रीशीटर था। वह जुआ, सट्टा, चंद्रेश्वर हाता के मर्डर केस और मादक पदार्थ की तस्करी समेत अन्य मामलों में जेल में बंद था। 10 दिन पहले ही जमानत पर जेल से बाहर आया था। मूलगंज थाना प्रभारी अनूप कुमार सिंह ने बताया,मोहम्मद सैफ का लेनदेन को लेकर शुक्रवार दोपहर को साथी सलमान काना से विवाद हुआ था।

पुलिस ने बताया, शुक्रवार रात 10रू30 बजे सलमान काना ने सैफ को फोन किया और उसे फैजान इंटर कॉलेज के पास मिलने के लिए बुलाया। सैफ के पहुंचते ही सलमान काना,उसके साथी आतिफ इलाही और अन्य ने गाली–गलौज शुरू कर दी। जब तक सैफ कुछ समझ पाता,सलमान काना ने ताबड़तोड़ कई राउंड गोलियां दागी। सैफ के पेट में गोली लगने से वह वहीं गिर पड़ा। वारदात के बाद बदमाश मौके से फरार हो गया। आस–पास के लोगों की सूचना पर मूलगंज थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आनन–फानन में सैफ को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया और घरवालों को सूचना दी। शनिवार सुबह हैलट के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ट्रैक्टर ने युवक को रौंदा,मौत

कानपुर। कानपुर के रावतपुर थाना क्षेत्र में देर रात हादसे में एक युवक की मौत हो गई। ट्रैक्टर ने युवक को रौंद दिया। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है जिस ट्रैक्टर से सवार होकर होकर युवक जा रहा था। उसी ट्रैक्टर से कुचलने की वजह से उसकी मौत हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित परिवार से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार देर रात रावतपुर क्षेत्र के अंतर्गत बने अनुराग हॉस्पिटल के पास ट्रैक्टर से कुचलकर युवक की मौत हो गई। मृतक हरि शंकर बिधनू थाना क्षेत्र के राजीवपुरवा गांव का रहने वाला था। गांव के ही ट्रैक्टर से सवार होकर जा रहा था। तभी ट्रैक्टर से कुचल कर हादसे में उसकी मौत हुई। थाना प्रभारी रावतपुर ने बताया कि मौके पर देर रात ही चौकी प्रभारी गुरुदेव पहुंच गए थे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पूर्व विधायक ने जूस पिलाकर छठे दिन खत्म कराया अनशन

सीतापुर। जिले की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और ट्रामा सेंटर शुरू करने की मांग को लेकर राष्ट्रीय लोकदल का अनिश्चितकालीन धरना छठवें दिन भी जारी रहा। आज आरपी सिंह चौहान द्वारा किए जा रहे धरने के समर्थन में उपवास पर बैठे डा० ब्रज बिहारी को पूर्व विधायक राकेश राठौर ने जूस पिलाकर अनशन खत्म कराया। राकेश राठौर ने कहा कि हम बुनियादी सुविधाओं के सवाल पर साथ हैं और जिले की स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है ट्रामा सेंटर शुरू होना चाहिए। अनशन समाप्त करने के बाद सीपीआई के राज्य सचिव ब्रज बिहारी ने बताया कि हम स्वास्थ्य के सवाल को हल किए बिना चौन नहीं लेंगे। रालोद नेता आरपी सिंह चौहान ने कहा कि आंदोलन को समर्थन करने वाली समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस का आभार किसान मंच संयुक्त किसान मोर्चा आईपीएफ मजदूर किसान मंच सीतापुर अगेंस्ट करप्शन महाराजा छीता पासी सेवा संस्थान सहित सभी सामाजिक संगठनों का आभार उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार और जिले में तैनात लोकसेवक जनता की बात नहीं सुन रहे। यह अहंकार की पराकाष्ठा है। जनांदोलनों के प्रति उपेक्षा का भाव तानाशाही का परिचायक है। उन्होंने कहा कि जब अधिकारी और कर्मचारी न सुने तो जनता की अदालत ही अंतिम विकल्प है क्योंकि जनता ही सबकी मालिक है। रालोद नेता ने कहा कि अब हम जनता के बीच जायेंगे क्योंकि जिले भर के राजनैतिक और सामाजिक संगठनों द्वारा समर्थित धरने का जिला प्रशासन और सरकार संज्ञान ही नहीं ले रही। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है। उन्होंने कहा कि हम जनता जो सबकी मालिक है। उनके बीच जाकर सत्ताधारी पार्टी के नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की असलियत उजागर करेंगें। आरपी सिंह चौहान ने बताया कि हम लोग सोमवार से धरने पर बैठे हैं और आज सप्ताह का अंतिम कार्यदिवस है। लेकिन अब तक जिला प्रशासन ने बातचीत की पहल नहीं की।

दुनिया का सबसे सुंदर लोकतंत्र का मंदिर होगा भारत का संसद भवन: केशव प्रसाद मौर्य

इंदिरा जायसवाल सभागार का लोकार्पण एवं अभिनंदन समारोह आयोजित

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। आर्य कन्या इंटर कॉलेज मुट्ठीगंज के प्रांगण में समाज सेविका इंदिरा जायसवाल सभागार के लोकार्पण एवं नागरिक अभिनंदन के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रयागराज के सर्वांगीण विकास के लिए आप सभी ने भारतीय जनता पार्टी की ट्रिपल इंजन की सरकार बनाई इसके प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि आने वाले सन 2025 कुंभ के वर्ष में प्रयागराज का नक्शा बिल्कुल बदला हुआ दिखाई देगा और प्रयागराज को रिंग रोड समर्पित होगा। मोदी के नेतृत्व में आज पूरे विश्व में भारत की शक्ति बढ़ी है और विश्व के बड़े बड़े देश ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रपति भी भारत के लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी को द बॉस कह कर सम्मान कर रहे हैं। जो वास्तव में हर एक भारतवासियों का सम्मान है। डिप्टी सीएम ने कहा कि 28 मई को दुनिया का सबसे सुंदर भारत का लोकतंत्र का मंदिर संसद भवन का उद्घाटन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से होने जा रहा है पर विपक्ष को नहीं पच रहा है। राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू के नाम का सहारा लेकर लोकतंत्र के मंदिर का बहिष्कार कर उसका अपमान कर रहे हैं, जिसे देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने आर्य कन्या इंटर कॉलेज के विकास को लेकर के कहा कि अध्यापक विद्यालय परिवार एवं अभिभावक मिलकर विद्यालय और विद्यार्थी का जीवन और समाज का नजरिया बदल सकते हैं। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने लोगों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि प्रयागराज की जनता ने और आप सभी ने जो विश्वास हमें दिया है। उस विश्वास पर खरा उतरूंगा और प्रयागराज का विकास करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इसके पूर्व उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने समाज सेविका इंदिरा जायसवाल सभागार का लोकार्पण किया। आर्य कन्या इंटर कॉलेज के प्रबंधक पंकज जायसवाल ने आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं महापौर गणेश केसरवानी को स्मृति चिन्ह देकर एवं दिव्य माला पहनाकर उनका नागरिक अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की प्रधानाचार्य अर्चना पाठक ने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर रंजना त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर रमन सिंह रहीं। इस अवसर पर एमएलसी केपी श्रीवास्तव, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, महापौर गणेश केसरवानी, भाजपा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, व्यापारी नेता विजय गुप्ता, रईस चंद्र शुक्ला, कुमार नारायण, राजेश केसरवानी, वरुण केसरवानी, राजेंद्र मिश्रा, विजय वैश्य,रविंद्र जायसवाल एवं कॉलेज के सभी अध्यापक गण एवं कॉलेज के छात्र अभिभावक और कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

1 जून से मरम्मत के लिए 3 माह तक बंद रहेगा नया यमुना पुल

प्रयागराज। यमुनापार से नगर को जोड़ने वाला नया यमुना पुल 1 जून से 3 माह के लिए बंद कर दिया जाएगा यह निर्णय जमुना पुल की मरम्मत के मद्देनजर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक फोरलेन वाले पुल की मरम्मत में 17 करोड़ रुपए खर्च होगा और पुल की मरम्मत फ्रांस की कंपनी करेगी। नैनी से शहर आने वाला रूट पूरी तरह से बंद रहेगा। इसके मद्देनजर भारी जाम लगने की संभावना है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक पंकज मिश्रा ने बताया कि 1510 मीटर लंबे पुल की मरम्मत कार्य में 3 माह का समय लगेगा। नैनी से शहर आने वाले पुल मार्ग का ज्वाइंटर भी क्षतिग्रस्त हो चुका है। इसे ध्यान में रखते हुए पहले इस लाइन में रिपेयरिंग और वेयरिंग बदली जाएगी। समय-समय पर कुछ दिन के लिए आवागमन बहाल भी किया जाएगा। ज्ञात हो कि कि नए यमुना पुल पर साल 2004 से आवागमन चालू हुआ था। 20 साल में इसकी मरम्मत जरूरी होती है। इसीलिए पुल की मरम्मत होगी। इस पुल से हररोज लगभग 35000 बड़े वाहन का आवागमन होता है।

योगी सरकार के ट्रिपल आर के मूलमंत्र को साकार करेगी नेकी की दीवार

प्रयागराज में स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत आरआरआर सेण्टर की शुरुआत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। पर्यावरण प्रदूषण से सामने आ रही चुनौतियों से निपटने के लिए योगी सरकार निरन्तर प्रयास कर रही है। कुम्भ नगरी प्रयागराज में इसी उद्देश्य से श्मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहरश अभियान के तहत आर आर आर सेण्टर की शुरुआत की गई है। शहरी क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने और उनकी दैनिक आदतों में बदलाव लाने के लिए यह प्रयास प्रोत्साहित करेगा। प्रयागराज में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के श नेकी की दीवार श्का लोकार्पण किया गया। नगर निगम के नगर आयुक्त चंद्रमोहन गर्ग के मुताबिक ने इसका लोकार्पण करते हुए बताया कि यह एक कलेक्शन सेंटर है जिसका प्राथमिक उद्देश्य शहरी जीवन में 3 आर के मंत्र यानी रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कचरे को कम करने, उसका पुनरू उपयोग और रीसाइक्लिंग इसका मूल उद्देश्य है। इसके अंतर्गत स्थापित इस आरआरआर केंद्र में नागरिकों के लिए अपनी पुरानी और अप्रयुक्त वस्तुओं को जमा करने के लिए एक सुविधाजनक और सुलभ स्थान प्रदान किया गया है। जहां लोग अपने घरों, कार्यालय या प्रतिष्ठान में मौजूद अनुपयोगी वस्तुओं को दान दे सकते हैं और जिन्हें जरूरतमंद लोगों को इस्तेमाल के लिए दे दिया जाता है। शहर में फिलहाल ऐसे 10 कलेक्शन सेण्टर खोले जाने हैं जिनकी संख्या आगे बढ़ाई जायेगी।

प्रयागराज शहर के व्यस्ततम इलाके सिविल लाइन्स में आज शहर का पहला आरआरआर सेण्टर खोला गया। नगर आयुक्त के मुताबिक इसे भी सिविल लाइन्स के प्राचीन हनुमान मंदिर के ठीक बाहर नेकी की दीवार श के नाम से इसलिए खोला गया है ताकि लोगों को इससे एक नेक काम करने की प्रेरणा लें। इसके अलावा संगम क्षेत्र में 4 मोबाइल आरआरआर सेण्टर खोले जा रहे हैं। प्रयागराज शहर को मंदिरों का शहर भी कहा जाता है इसलिए मंदिरों और पार्कों के बाहर भी ऐसे कई सेंटर खोले जाएंगे।

संस्कृति सृजन अकैडमी में समर कैंप का समापन

प्रयागराज। कौंडियारा विकासखंड स्थित संस्कृति सृजन अकैडमी में आज समर कैंप का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश प्रयागराज के अध्यक्ष आईआरएस संजय श्रीनेत, विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ सदस्य प्रोफेसर डॉ. रामजी मौर्य, प्रोफेसर डॉ. हरेश प्रताप सिंह तथा सदस्य डॉ. सविता अग्रवाल उपस्थित रही। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती संगीता सिंघल ने अतिथियों का बैच अलंकरण कर एवं बुके देकर स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर बच्चों ने कई तरह के संस्कृत कार्यक्रम प्रस्तुत किया और दर्शकों का मन मोह लिया। अतिथि गणों ने अपने संबोधन से बच्चों को आशीर्वाद दिया एवं विद्यालय को ढेरों शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि ने अपने आशीर्वचनों के दौरान भीष्म और जटायु की कहानी सुना कर बच्चों में नैतिक विकास पर बोल दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने एवं विद्यालय के प्रबंधक डॉ बी बी अग्रवाल नेअतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर उनका धन्यवाद किया। कार्यक्रम का समापन डॉ बी बी अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। प्रबंधक ने अपने वक्तव्य में आज के कार्यक्रमों की और विद्यालय की प्रधानाचार्य के कार्य प्रणाली की भूरि भूरि प्रशंसा की।

बंगलुरु से मऊ आ रहा युवक जहर खुरानी गिरोह का शिकार

रतनपुरा, मऊ। बेंगलुरु से घर वापस आ रहे अजय उर्फ गुड्डू बीच रास्ते में ही जहरखुरानी के शिकार हो गए। जिसकी वजह से वह मऊ नहीं पहुंच पाए। जिससे उनके घर पर कोहराम मच गया। बताया जाता है कि अजय उर्फ गुड्डू पुत्र शिव वचन राम हलधरपुर थाना क्षेत्र के जमालपुर ग्राम पंचायत के निवासी हैं। वह बंगलुरु में रहकर के कमाते खाते थे। 23 मई 2023 को मैसूर से वाराणसी आने वाली ट्रेन में बंगलौर स्टेशन से चढ़कर अपने घर आ रहे थे कि बीच रास्ते में ही वह जहरखुरानी गिरोह के शिकार बन गए। जिसकी वजह से उनकी यात्रा बाधित हो गई और वह बदहवासी के आलम में नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन पर उतर गए। जब वह निर्धारित समय पर घर नहीं पहुंचे तो घरवाले चिंतित हो गए। उनका मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा था।

संक्षिप्त खबरे

जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस पर पुलिस अधीक्षक के साथ थाना दक्षिण टोला में की जन सुनवाई

मऊ। शनिवार को जिलाधिकारी अरुण कुमार व पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय ने थाना समाधान दिवस पर थाना दक्षिण टोला में जन सुनवाई की। उन्होंने थाना समाधान दिवस पर आई शिकायतों का शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के निर्देश दिए। जन सुनवाई के दौरान अधिकतर शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित थी। जमीन विवादों से जुड़ी कुछ शिकायतों में भू माफियाओं की संलिप्तता का संदेह होने पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर एवं सीओ सिटी को इन मामलों की गहनता से जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान कुछ शिकायतें सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर भी आई जिसके संबंध में जिलाधिकारी ने संबंधित लेखपालों को तत्काल मौके पर जाकर पुलिस के सहयोग से अवैध कब्जा खाली कराने के भी निर्देश दिए। उन्होने एक-एक करके सभी शिकायतकर्ताओ की शिकायतें सुनी एवं मौके पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर सभी शिकायतो के गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय के अलावा उप जिलाधिकारी सदर आनंद कनौजिया, सीओ सिटी धनंजय मिश्रा सहित संबंधित थाने के सभी अधिकारी एवं क्षेत्र के सभी लेखपाल मौके पर उपस्थित थे।

सामने आई पुलिस की बड़ी लापरवाही, बवाल का था इनपुट, पर अलर्ट नहीं हुए अफसर, खूब हुई अराजकता

मेरठ। शपथ समारोह में बवाल हो सकता है, इसका इनपुट खुफिया विभाग ने पुलिस-प्रशासन को दिया था। इसके बावजूद नगर निगम और पुलिस प्रशासन अलर्ट नहीं हुआ। मेरठ में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाषचंद बोस प्रेक्षागृह में ढढरूढढरू के पार्षदों के बैठने की व्यवस्था भाजपा पार्षदों के साथ की गई। समारोह में शुरू से ही एक-दूसरे पर टिप्पणी की जा रही थी। सवाल उठता है कि समारोह में पुलिस बाहर व्यवस्था बनाने में लगी रही और अंदर बवाल हो गया। नेताजी सुभाषचंद बोस प्रेक्षागृह में अराजकता का माहौल था। पार्षदों और गणमान्य लोगों के बैठने की व्यवस्था भी ठीक नहीं थी। पुलिस की ड्यूटी बाहर थी, जबकि अंदर लगातार राजनीति दलों के पार्षद एक-दूसरे पर टिप्पणी कर रहे थे। आरोप है कि मारपीट से पहले एक पार्टी के पार्षदों ने एक महिला पर टिप्पणी की थी। जैसे-तैसे कर मामला शांत हो गया था, लेकिन फिर वंदे मातरम गाने पर बवाल हो गया। बताया गया कि खुफिया विभाग ने दो दिन पहले इनपुट दिया था कि शपथ समारोह में कुछ लोग अराजकता कर सकते हैं। बवाल होने का इनपुट भी पुलिस के पास था। इसके बावजूद पुलिस ने समारोह में अंदर ड्यूटी नहीं लगाई। एसपी ट्रैफिक और सीओ से भी धक्का-मुक्की बवाल होने पर पुलिस तमाशबीन बनी रही, जबकि अधिकारी मुस्तैद दिखे। डीएम, नगर आयुक्त, एसपी ट्रैफिक और सीओ सिविल लाइन दौड़कर पार्षदों के बीच में पहुंच गए। भीड़ में एसपी ट्रैफिक जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव और सीओ अरविंद चौरसिया से धक्का-मुक्की तक हुई। डीएम और नगर आयुक्त एआईएमआईएम के नेताओं को तो कभी भाजपा कार्यकर्ताओं को समझाते रहे कि बवाल मत करो। शपथ समारोह हो जाने दीजिए। अगर कोई शिकायत है तो मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई करेंगे। इसके बावजूद भी दोनों पार्टी के कार्यकर्ता सुनने को तैयार नहीं हुए। माहौल बिगड़ा तो बुलाई आरएएफ नेताजी सुभाषचंद बोस प्रेक्षागृह में बवाल हुआ, तब जाकर पुलिस को आरएएफ याद आई। आरएएफ पहले से कैंपस में लगी थी, जिसको तुरंत समारोह में अंदर बुलाया गया। पुलिस के साथ-साथ आरएएफ भी तैनात रही। एआईएमआईएम के नेता एवं पार्षद कैंपस में विरोध करते रहे।

गोवर्धन छाता मार्ग पर आंधाधुंध प्लाटिंग को देख कर चौंके डीएम

मथुरा। गोवर्धन छाता मार्ग पर जिस तेजी से प्लाटिंग और निर्माण कार्य हो रहे हैं उसे देख कर जिलाधिकारी भी चकित रह गए। जिलाधिकारी पुलकित खरे द्वारा गोवर्धन छाता मार्ग पर भ्रमण के दौरान यह देखा गया है कि इस मार्ग के दोनों तरफ खेतों में प्लाटिंग व निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सचिव मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण, उप जिलाधिकारी छाता, क्षेत्राधिकारी छाता तथा अपर मुख्य अधिकारी को निर्देशित किया है कि यह सुनिश्चित करा लिया जाए कि रोड के दोनों तरफ किसी भी गाटे में हो रहा निर्माण, प्लाटिंग वैध है तथा सक्षम प्राधिकारी (मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण, जिला पंचायत) से नियमानुसार अनुमति प्राप्त करके ही किया जा रहा है। सभी अधिकारी समन्वय करते हुए 27 एवं 28 मई को गोवर्धन छाता मार्ग के दोनों ओर के प्रत्येक गाटे का गाटावार निरीक्षण करें। अवैध निर्माण, प्लाटिंग पाए जाने की दशा में नियमानुसार कार्यवाही करें तथा 30 मई तक नजरी नक्शा के साथ गाटावार रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रस्तुत करें।

डीएम, एसएसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

मथुरा। शनिवार को जिलाधिकारी पुलकित खरे एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। कारागार में बंदियों के स्वास्थ्य, भोजन, समस्या, सुविधाओं आदि की जानकारी प्राप्त की तथा बंदियों के सामान एवं बिस्तर की चेकिंग की। कई बंदियों से वार्ता की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। संयुक्त रूप से उक्त दोनों अधिकारियों ने बंदियों को समझाया और कहा कि आप स्वयं तथा अपने परिवारों पर ध्यान दें और अपराधिक दुनिया से दूर रहकर अपने गांव, तहसील, जिला, प्रदेश तथा देश के लिए कुछ अच्छा कार्य करें, जिससे आपका नाम और आपके परिवारों वालों का नाम ऊंचा हो सके। पाकशाला का निरीक्षण किया तथा वहां बन रहे भोजन चेक किया। चिकित्सालय में भर्ती बंदियों के हालचाल जाने तथा डॉक्टरों को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिये।

नेहरू को पुण्य तिथि पर कांग्रेसजनों ने किया याद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। शहर तथा जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आधुनिक भारत के निर्माता भारत रत्न पंडित जवाहरलाल नेहरु को 59 वीं पुण्यतिथि पर कृतज्ञता पूर्ण नमन किया। नेहरू के पैतृक आवास आनंद भवन में शहर अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा अंशुमन के नेतृत्व में प्रातः पार्टीजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी और देश निर्माण में उनके योगदान को याद किया। इस मौके पर श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने पंडित नेहरू को प्रगतिशील, धर्मनिरपेक्ष तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व वाला नेता बताया। कहा कि वे युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणास्रोत थे जिन्होंने देश के बुनियादी ढांचे को अपने 17 साल के लंबे कार्यकाल में तैयार किया था। नेहरू ने देश को दुनिया के विकसित एवं विकासशील देशों में ला खड़ा किया था। वे विश्व शांति के प्रतीक थे। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विशेषकर पीएम मोदी और भाजपा द्वारा बीते नौ वर्षों में नेहरू के जीवन तथा कार्यों को कमजोर किया गया। फिर भी उन्होंने जिन विचारों और मूल्यों को आगे बढ़ाया था वे आज ज्यादा प्रासंगिक हैं। सभा का संचालन प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने किया। बाद में कांग्रेसजनों ने बालसन चौराहा स्थित पंडित नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया और उनके बताये रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

सड़क हादसे में बेटे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

बिजनौर। अफजलगढ़ में देर रात शादी समारोह से लौट रहे पिता-पुत्र की बाइक की राष्ट्रीय राजमार्ग मानियावाला बनैली नदी पुल के समीप किसी वाहन से टक्कर हो गई। दुर्घटना में 14 वर्षीय वंश की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, गांव कासमपुरगढ़ी निवासी आशीष चौहान 42 वर्ष व उसका 14 वर्षीय पुत्र वंश गांव बादीगढ़ स्थित वेंकट हॉल में शादी समारोह में शामिल होने के लिए गये थे। वह देर रात बाइक से अपने घर वापस लौट रहे थे। जैसे ही वह राष्ट्रीय राजमार्ग गांव मानियावाला स्थित बनैली नदी के पुल के समीप पहुंचे तो उनकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार 14 वर्षीय वंश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि आशीष गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल आशीष चौहान को पुलिस ने 108 एंबुलेंस मदद से उपचार के लिए सीएचसी अफजलगढ़ में भर्ती कराया गया।

बाबू बालेश्वर लाल की मनाई गई पुण्यतिथि

प्रयागराज। तहसील बारा के अधिवक्ता सभागार में शनिवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक बाबू बालेश्वर लाल की पुण्यतिथि ग्रामीण पत्रकारों के द्वारा मनाई गयी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन जिला इकाई के संरक्षक शोभनाथ कुशवाहा व मंडल अध्यक्ष बंशी लाल सिंह पटेल ने सर्वप्रथम बाबू बालेश्वर लाल की प्रतिमा पर संयुक्त रूप से माल्यार्पण किया। इसके बाद आए हुए ग्रामीण ग्रामीण पत्रकारों ने संस्थापक के प्रतिमा पर पुष्पार्चन किया। उक्त पुण्यतिथि कार्यक्रम तहसील अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ पिंटू सिंह के संयोजन में संपन्न किया गया तथा संचालन तहसील महामन्त्री गिरिजा शंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद अली भइयन, अमर सिंह, राम बाबू पटेल, राजेश केसरवानी, विनय विश्वकर्मा, रमेश पटेल, राम कुमार, मंगला प्रसाद, लालचंद्र पटेल, मान सिंह, दिलीप केसरवानी, रोहन केसरवानी, विकास गुप्ता, दीपक केसरवानी, विकासचंद्र शुक्ला, विनोद शुक्ला, अब्दुल अलीम सिद्दीकी, विनोद केसरवानी, सूजीत द्विवेदी, बलवीर पटेल, भूषण पटेल, रमेश चंद्र पटेल एडवोकेट, सुनील यादव, आलोक गुप्ता, छेदी लाल साहू, विनय साहू, लालता प्रसाद मिश्रा, शंकर लाल साहू, रोहित शर्मा, रोहित प्रजापति, डीवी सिंह, कलीम अहमद, राजेश शुक्ला सहित दर्जनों पत्रकार उपस्थित रहे।

राजस्व मामलों में डीएम ने तुरंत गठित की टीम, किया रवाना

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर थाना सोरांव, मऊआइमा एवं नवाबगंज पहुंचकर जनता की समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी ने सोरांव थाने में अपनी समस्या लेकर आये हुए लोगो की शिकायतों को सुनते हुए शिकायतों को आज ही निस्तारित कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने लेखपाल व पुलिस विभाग को तत्काल मौके पर रवाना किया तथा शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। सोरांव थाने में कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 01 शिकायत का मौके पर निस्तारण किया गया। मऊआइमा थाने में समस्यायें लेकर आये हुए लोकनाथ के द्वारा जमीन पर कब्जा, यशोदा देवी के द्वारा मकान पर कब्जा, नन्हेलाल के द्वारा जमीन पर कब्जा, वी0के0 त्रिपाठी के द्वारा अवैध रूप से जमीन पर कब्जा, जे0के0 पटेल के द्वारा अवैध नाला बनाये जाने की शिकायत की गयी, जिसपर जिलाधिकारी ने राजस्व एवं पुलिस की टीम को मौके पर जाकर मामले की जांच कर प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। मऊआइमा थाने में कुल 05 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 01 शिकायत का मौके पर निस्तारण कर दिया गया तथा शेष शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। उन्होंने राजस्व विभाग तथा पुलिस टीम को निर्देशित किया कि जो भी आवेदन आ रहे है, उसका तत्काल गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। नवाबगंज थाने में कुल चकरोड़, अवैध कब्जे सहित कुल 09 शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष सुनवायीं के लिए आयीं, जिसपर जिलाधिकारी ने मौके पर राजस्व टीम एवं पुलिस टीम को रवाना करते हुए शिकायतों को निस्तारित करने के निर्देश दिए है।

कुशीनगर पुलिस ने चर्चित पूर्व प्रधान हत्याकाण्ड का किया खुलासा, आलाकत्ल के साथ 3 अभियुक्त गिरफ्तार

कुशीनगर। जनपद के रामकोला थाना क्षेत्र में बीते घ्घदिनो खोटही गांव निवासी चर्चित पूर्व प्रधान हत्याकाण्ड का मुकामी पुलिस ने स्वाट एवं सर्विलांस पुलिस टीम के सहयोग से घटना का खुलासा करते हुए मय आलाकत्ल के साथ तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

शनिवार को एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 27 मई दिन शनिवार को रामकोला, स्वाट व सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा रामकोला थाने पर पंजीकृत मु0अ0सं0 202/2023 धारा 302/120बी34 भादवि व 4/25 आर्म्स एक्ट से संबंधित पूर्व प्रधान की नृशंस हत्या की घटना के मामले में आलाकत्ल दो अदद भुजाली, 02 अदद मोटरसाईकिल एचएफ डिलक्स, तीन अदद मोबाईल फोन बरामद किया गया एवं घटना में सम्मिलित 3 शातिर अभियुक्त अनुपम साहनी पुत्र रामनाथ साहनी सा0 खोटही चौत्री टोला थाना रामकोला, रामनाथ साहनी पुत्र स्व0 सूर्यबल्ली सा0 खोटही चौती टोला थाना रामकोला, रामबदन चौधरी पुत्र पारस चौधरी सा0 खोटही गंगया टोला थाना रामकोला को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि रामनाथ साहनी द्वारा नवीन परती की भूमि पर खोदे गए पोखरे में मछली पालन का काम कई वर्षों से किया जा रहा था। जिसको मृतक राम हरख यादव पूर्व प्रधान द्वारा खाली कराया गया था। जिसके कारण रामनाथ उपरोक्त को आर्थिक क्षति व सामाजिक हनन हुआ था। इस कारण प्रतिशोध लेने के लिए रामनाथ ने अपने लड़के अनुपम व उसके दोस्त रामबदन के साथ मिलकर 23 मई को उक्त घटना को अंजाम दिया था। पुलिस टीम ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदी के आधार पर जेल भेज दिया है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाले पुलिसटीम में प्र0नि0 रामकोला अखिलेश कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार शुक्ला प्रभारी स्वाट टीम, व0उ0नि0 श्रीप्रकाश राय, उ0नि0 आलोक यादव स्वाट टीम, उ0नि0 शरद भारती सर्विलांस सेल प्रभारी सहित दर्जनों पुलिस कर्मी शामिल रहे।

सेवा कार्य में अनेक कठिनाइयां आएंगी: डॉ. रघुराज सिंह

रानी रेवती देवी में सेवा शिक्षा प्रशिक्षण वर्ग का तृतीय दिवस

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। विद्या भारती से संबद्ध काशी प्रांत के रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर प्रयागराज में प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडे के संयोजन में सेवा शिक्षा प्रशिक्षण वर्ग के तृतीय दिवस पर वैचारिक सत्र में भारतीय शिक्षा समिति काशी प्रांत के मंत्री एवं हंडिया पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉक्टर रघुराज सिंह का मार्गदर्शन प्रशिक्षणार्थियों को प्राप्त हुआ। डॉक्टर रघुराज सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि विवेकानंद जी ने कहा था कि सेवा कार्य में अनेक कठिनाइयां आएंगी लेकिन हम उन्हें पुष्प समझकर कार्य करते रहेंगे तो आनंद आएगा, ऐसे लोग सेवा सुविधा से वंचित रह गए थे लेकिन अगर आप जैसे बंधु भगिनी इस कार्य में लगे हैं तो वह उपेक्षित बंधु भी हमारी विचारधारा से जुड़ेंगे, आप अभिनंदन के योग्य हैं आपके कार्यों का परिणाम भी दिखाई दे रहा है इन बातों का मूल्यांकन भी हमें करते रहना चाहिए आप अपने संस्कार केंद्रों के माध्यम से जो शिक्षा दे रहे हैं वह बच्चा कितना संस्कारी हुआ यह बात भी आपको देखनी होगी उनके अभिभावकों को भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर क्षेत्रीय सेवा प्रमुख योगेश, प्रांतीय सेवा प्रमुख कमलाकर तिवारी, प्रांतीय सह सेवा प्रमुख नरसिंह, गोरक्ष अवध नेपाल बॉर्डर सेवा संयोजक राघवजी, कुंदन सिंह, अवधेश कुमार, प्रेम सागर मिश्रा, कपिल देव सिंह, प्रवीण कुमार तिवारी, कामाख्या प्रसाद दुबे एवं रमेश चंद्र मिश्रा की उपस्थिति प्रमुख रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन दिनेश कुमार शुक्ला ने किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

-: संस्थापक :-

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।